आषाढ़ शुक्ल पक्ष -2, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 17 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

07 जुलाई 2024 रविवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

श्योपुर में पानी उतरा लेकिन बेपटरी हुआ जनजीवन

श्योपुर एजेंसी। प्रचंड बारिश के बाद जिले के बड़ौदा में आई बाढ़ का पानी उतर रहा है लेकिन इसने लोगों का जीवन

बेपटरी कर रखा है। यहां 24 घंटे में 13 इंच बारिश के कारण नाला उफान पर आ गया। घरों में 10 फीट तक पानी भर गया था। देर शाम बाढ़ का पानी तो उतर गया। इसके बाद लोग जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश में हैं। लोग अपनी गृहस्थी समेटने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि नगर परिषद ने अतिक्रमण हटाने और बारिश से पहले नाले की सफाई पर ध्यान दिया होता, तो यह नौबत न आती।

कश्मीर में दो दिन से जारी से मुठभेड़, पांच आतंकी ढेर

श्रीनगर एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आज लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगम

फ्रिसल में अब तक 5 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में दो-तीन आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है। मुदरघम में आज सुबह एक आतंकी का शव मिला है। यहां शनिवार दोपहर में एक जवान आतंकियों से मुकाबला करते हुए शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हो गए। दूसरी तरफ राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने रविवार सुबह एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

मां के बयान से खुद को अलग किया अमृतपाल ने

चंडीगढ । अमृतपाल सिंह ने लोकसभा सांसद की शपथ लेने

के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल से अब एक बयान जारी किया है। उन्होंने अपनी मां के बयान से खुद को अलग करते हुए पोस्ट में कहा 'जब मुझे मां द्वारा कल दिए गए बयान के बारे में पता चला तो मेरा दिल बहुत दुखी हुआ। बेशक, मुझे यकीन है कि यह बयान सच है।' दरअसल जेल में बंद अमृतपाल के लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद उनकी मां ने कहा कि पंजाब के युवाओं के पक्ष में बोलने से वह 'खालिस्तानी समर्थक' नहीं बन जाते। वह (अमृतपाल) खालिस्तानी समर्थक नहीं हैं। उन्होंने संविधान के दायरे में चुनाव लड़ा। अमृतपाल ने अपनी पोस्ट में कहा है वे पंथ और परिवार में से हमेशा पंथ को ही चुनेंगे ।

सूरत में इमारत ढहने से सीधी के पांच लोगों की मौतें

सूरत । पाल इलाके में छह मंजिला आवासीय इमारत ढहने के बाद राहत व बचाव आज भी जारी है। इस मामले में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें पांच सीधी के है। सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि इमारत ढहने के तुरंत बाद एक महिला को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि पूरी रात चले बचाव अभियान में सात लोगों के शव निकाले गए हैं। जब ये हादसा हुआ तो उस वक्त इमारत में रहने वाले कई लोग काम पर गए थे और कई लोग रात की शिफ्ट के बाद इमारत में सो रहे थे, जो फंस गए। उन्होंने बताया कि 12 घंटे से ज्यादा समय से बचाव अभियान जारी है।

भाजपा कार्यसमिति का अगले मिशन के लिए भोपाल में मंथन....

जीत के बाद भाजपा की पहली महाबैठक कैबिनेट विस्तार कल, शपथपथ पर रावत!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में आज भाजपा अपने कामकाज का नया रोडमैप बनाने में जुटी है। पार्टी की लोकसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद यह पहली विस्तारित कार्यसमिति की बैठक है। दिन भर चलने वाली इस बैठक में केंद्र सरकार में शामिल 6 मंत्रियों और नवनिर्वाचित सांसदों का सम्मान भी किया जाएगा तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा व संगठन के कामों व भावी स्वरूप पर पर चर्चा होगी। खास बात यह है कि आज बैठक के दौर के बाद कल मप्र की मोहन यादव मंत्रिमंडल में विस्तार के भी पूरे आसार बन गये हैं। इसमें कांग्रेस से आए रामनिवास रावत को शपथ दिलाई जाएगी। रावत के अलावा अमरवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार कमलेश शाह को भी मंत्री बनाने की चर्चा है लेकिन सूत्रों की मानें तो अभी इस पर विस्तृत चर्चा बाकी है। दरअसल आज दिनभर की बैठक के बाद भाजपा के प्रमुख नेताओं की एक और बैठक है इस पर कैबिनेट संबंधी फैसला होगा। दरअसल प्रदेश मंत्रिमंडल में 4 पद खाली हैं। अभर 30 मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं। उधर रावत को भी अभी उपचुनाव लडना होगा। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पास रावत और बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने के लिए पिटीशन लगाई है। अब 3 महीने के अंदर विधानसभा अध्यक्ष तोमर को इनकी सदस्यता के मामले में फैसला लेना होगा।दरअसल कांग्रेस से बडे पैमाने पर भाजपा में शामिल हुएनेताओं के उपयोग पर भी पार्टी चर्चा कर सकती है। इनमें कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

कार्यसमिति बैठक में कई चर्चा के दौर

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 163 और लोकसभा चुनाव में सभी 29 सीटें जीतीं हैं। इस बैठक में पार्टी जीत पर जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त कर रही है। आज कार्यसमिति बैठक में नवाचार के तौर पर अधिकांश कामकाज डिजिटल तकनीक पर आधारित है। शामिल में शामिल होने वालों का पंजीयन भी डिजिटली किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्रि शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार, डीडी उइके, सावित्री ठाकुर, एल मुरुगन के अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मौजूद हैं। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने की।

भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ, चार धाम यात्रा रोकी

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड के गड़वाल डिवीजन में भारी बारिश के चलते आज से चार धाम यात्रा रोक दी गई है। बद्रीनाथ-विष्णु प्रयाग नेशनल हाईवे के पास लैंडस्लाइड के कारण सड़क ब्लॉक हो गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। दूसरी तरफ असम के 29 जिलों में बारिश और बाढ़ की वजह से 23 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 58 लोगों की मौत हुई है। 27 जिलों में 577 रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। इसमें 5 लाख से ज्यादा लोग रह रहे हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में भी 15 लाख से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं। 6 गैंडो समेत 114 जानवरों की मौत हो चुकी है।वहीं उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। रिलीफ डिपार्टमेंट के मुताबिक दो लोगों की मौत बिजली गिरने से, एक व्यक्ति की मौत

डूबने से, जबकि तीन लोगों की मौत बारिश संबंधित घटनाओं में हुई।

मप्र में भी भारी बरसात : ग्वालियर-चंबल के ऊपर से ट्रफ लाइन एक्टिव होने से भारी बरसात की चेतावनी दी गई है। ग्वालियर, चंबल संभाग के साथ प्रदेश के अन्य जिलों में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। आज ग्वालियर, भिंड, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

हमारी मजबूरी समझे केंद्र, मोदी से मिले मिजोरम के सीएम

नई दिल्ली एजेंसी। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्र से पड़ोसी बांग्लादेश के शरणार्थियों को आश्रय देने में राज्य की स्थिति को समझने का आग्रह किया है। राज्य गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश के जो समुदाय के लगभग दो हजार लोगों ने 2022 से मिजोरम में शरण ली हुई है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संक्षिप्त बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने उन्हें सूचित किया कि मिजोरम सरकार बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स से राज्य में शरण लेने आए 'जो' समुदाय के लोगों को वापस नहीं भेज सकती या निर्वासित नहीं कर सकती।

उत्पाद में कितना फैट, बोल्ड अक्षरों में लिखना अनिवार्य

नई दिल्ली , एजेंसी।

खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के लेबल पर नमक, चीनी और संतृप्त वसा के बारे में बोल्ड अक्षरों के साथ ही बड़े फॉन्ट में जानकारी देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने लेबलिंग के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। एफएसएसएआई के अध्यक्ष अपूर्वचंद्रा की अध्यक्षता में यह फैसला लिया गया। इसमें पोषण संबंधी जानकारी लेबलिंग के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया। संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। इस संशोधन से

संबंधित मसौदा अधिसूचना अब सुझावों एवं आपत्तियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा। कुल चीनी, कुल संतृप्त वसा और सोडियम सामग्री की जानकारी प्रतिशत में दी जाएगी और इसे मोटे और बड़े अक्षरों में लिखा जाएगा। एफएसएसएआई झूठे और भ्रामक दावों को रोकने के लिए समय-समय पर सलाह जारी करता है. इनमें 'हेल्थ ड्रिंक' शब्द को हटाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट को भेजी गई सलाह शामिल है।

अपने-अपने सरोकारों के बीच तीन किरदार

अर्थात्

आशीष दुबे

मप्र विधानसभा का मानसून-बजट सत्र कितना अहम था, यह सत्तापक्ष और विपक्ष से ज्यादा कौन समझता होगा। मगर इसमें तीन चेहरों ने अपने किरदारों के साथ 'न्याय' करके सत्र को उस मुकाम पर लाकर समाप्त कराया, जो इन तीनों को बराबर-बराबर नंबर देता है। यह चेहरे रहे - नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय और उमंग सिंघार। तीनों का किरदार इस सत्र के लिए जटिल था, क्योंकि मोहन सरकार और सिंघार के लिए असल मायने में यह पहला सत्र था। अध्यक्ष के तौर पर तोमर ने भरसक 'निर्विकार' रहने की सनातन जरूरत को सही मायने में साकार करने की कामयाब कोशिश की। वे सत्तापक्ष के आग्रहों को भी तवज्जो देते नजर आए तो प्रतिपक्ष के अनुरोधों व कुछ हद तक जिदों को ट्रेजरी बेंच की बेचैनी के बावजूद रास्ता देते दिखे। अध्यक्ष का यही रूख दोनों पक्षों को दरकार होता है तथा सदन को ऊंचाई देता है। वैसे भी तोमर को 'वोरा-तत्व' वाला खांटी नेता माना भी जाता है।

आसंदी पर ऐसे स्टेट्समैन की मौजूदगी में संसदीय कार्यमंत्री का काम भी रस्सी पर चलने की तरह है, इस हुनर का मुजाहिरा कैलाश विजयवर्गीय ने किया। नर्सिंग घोटाले से लेकर जलजीवन मिशन और कृषि तक कांग्रेस जिस तरह हमलावर थी, उसमें विजयवर्गीय सत्र को किसी बड़ी असंसदीय दृश्यावली से बचाने की जुगत करते नजर आए,वे विपक्ष के आरोपों पर उबलते अपने विधायकों को भी चुप रहने के इशारे करते रहे। यह उनकी सदन के बाहर व अंदर ट्रबल-शूटर की पुरानी भूमिका में नए कलेवर वाली वापसी है। गौर से देखें तो बतौर मंत्री विजयवर्गीय की विधानसभा में यह पारी, उनकी पहली दो पारी से थोड़ा भिन्न नजर आती है-अपेक्षाकृत संयत व गहरी।

इसी तरह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भी खुद का वजूद साबित करने का बड़ा मौका रहा, लेकिन इसे पांच दिन में समेटने की चुनौती कठिन थी। सरकार को घेरने के लिए उन्होंने सारे जतन किए, हंगामाई प्रतिपक्ष के टैग से अपने दल को बचाने के लिए उन्होंने तर्कों की ताकत झोंकी, ताकि असमय सत्रावसान की तोहमत प्रतिपक्ष पर न आए। तेवरों के लिहाज से प्रतिपक्ष यथाजरूरत आक्रामक व नियंत्रित दिखा लेकिन टीम-वर्क के मोर्चे पर अभी काम की जरूरत दिखती है। सिंघार को सीनियर्स के उपयोग व न्यूकमर्स के जोश का सही अनुपात बनाना होगा। संभव है सत्र पूरा चलता तो शायद यह नजर आता। बावजूद प्रचंड बहुमत के सामने टिकना व सरकार को तिलमिलाने पर मजबूर करना कम नहीं है, शायद इस सत्र का तजुर्बा अगले सत्र में और बेहतर नेता प्रतिपक्ष को गढने में मददगार होगा। सिंघार कह सकते हैं- मैदां में हार-जीत का यूं फैसला हुआ, दुनिया थी उनके साथ, हमारा *खुदा* हुआ ।

बहरहाल, सदन में चर्चा का बड़ा रास्ता बनाने व हंगामों की गलियों को बंद करने की जरूरत नजर आती है, जिसकी जिम्मेदारी तीनों पर ही है। खास यह रहा कि सत्र में 'भीतर' ही नहीं बल्कि बाहर भी कुछ 'नया पकने' की महक तैरती रही, इसे आखिरी दिन कैलाश विजयवर्गीय ने दस्तरखान सजाकर जाहिर किया। उनकी भुट्टा पार्टी ने सियासत की मानसूनी रात में 'नए रंग उकेरे' हैं। कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने आरोपों की अंगीठी सुलगाई और विजयवर्गीय ने भुट्टे सेंक डाले !

महिला प्रिंसिपल पी रही थीं बीयर, हंगामा

हैदराबाद । तेलंगाना के सूर्यापेट में महिला प्रिंसिपल हॉस्टल में बीयर पीने की घटना सामने आने के बाद बवाल हो गया है। डिग्री कॉलेज की

छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। यह मामला सोशल वेलफेयर गुरुकुला महिला डिग्री कॉलेज का है। यहां गुरुकुला छात्रावास में महिला प्रिंसिपल बीयर पीते हुए पकड़ी गईं थी। प्रिंसिपल हॉस्टल के एक केयरटेकर के साथ हॉस्टल के अंदर बीयर पीने सहित असामाजिक गतिविधियों में लिप्त हैं। प्रिंसिपल और केयरटेकर रात में अपने कमरों में शराब पीते हैं। इस पर छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि जब उन्होंने इस मामले का विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई।

स्वस्थ होकर भक्तों को दर्शन देने निकले जगन्नाथ

भोपाल के कमला पार्क जगदीश मंदिर से जगन्नाथ यात्रा।

रेलवे स्टेशन से आज अन्ना नगर रहवासियों का जत्था अमरनाथ के लिए रवाना हुआ।

राजधानी में भव्य रथयात्राएं, सड़कों पर नाचे भक्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शयन कक्ष में रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे महाप्रभु जगन्नाथ अब स्वस्थ्य हैं और आज भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। हालांकि कल से ही उन्हें पकवान और मिठाई का भोग लगाया जा रहा है। अब पूर्ण स्वस्थ होने पर महाप्रभु आज शयन कक्ष से बाहर आकर रथ पर सवार हो गये हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन देने शहर में उनकी यात्रा निकली है। इस्कान भोपाल बीवायसी की ओर से भगवान जगन्नाथ, बलदेव, सुभद्रा महारानी की रथयात्रा निकाली जाएगी। इस्कान मंदिर के अध्यक्ष रसानंद दास ने बताया कि रथयात्रा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक के सामने से शुरू हुई। यूं तो इस रथयात्रा में कई आकर्षण हैं लेकिन हाइड्रोलिक रिमोट कंट्रोल्ड रथ सबसे खास रहा। इस रथ को जरूरत के हिसाब से ऊंचा और नीचा किया जा सकता है। इसके अलावा रथयात्रा में घोड़े, बग्गी, ऊंट, बैंड, कीर्तन पार्टी आकर्षण का केंद्र रहे। रथ यात्रा के पहले भगवान जगन्नाथ को पांच सौ से ज्यादा भोग अर्पित किए गए। इन्हें भक्तगण अपने घर से बनाकर लाए। जगन्नाथ यात्रा सात नंबर चौराहा, नेशनल अस्पताल, प्रियदर्शिनी मार्केट, बिट्टन मार्केट, 1100 क्वार्टर, गणेश मंदिर, शैतान सिंह चौराहा, शाहपुरा, त्रिलंगा, रोहित नगर से होते हुई बावड़िया कलाा चौराहा पर समाप्त हो रही है। समापन स्थल पर दस हजार लोगों का भंडारा रखा गया है।

पुराने शहर में भी रथ यात्रा की धूम रही

इसी तरह पुराने शहर में श्रीगौर राधा मदन गोपाल मंदिर शांति नगर बैरसिया रोड से निकली रथ यात्रा नादरा बस स्टैंड, घो?ा नक्कास, मंगलवारा, इतवारा, चौक बाजार लखेरापुरा, भवानी चौक सोमवारा, बाल विहार, भोपाल टाकीज से वापस मंदिर परिसर तक आ रही है। भगवान जगन्नाथ की इस रथयात्रा में ब्रास बैंड, ढोल-ताशे, धर्म-ध्वज कीर्तन मंडली भी शामिल रहे। उधर श्यामला हिल्स पर स्थित मानस भवन से रथ यात्रा निकाली गई। यह रथयात्रा रोशनपुरा चौराहा, न्यू मार्केट, रंगमहल चौराहे से होते हुए पुनः मानस भवन पर समापत हुई। यह आयोजन वृंदावन से पधारे वैष्णव परंपरा के आचार्य श्री हरेकृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज के सान्निध्य में हो रहा। इसमें भारत भर के कई भक्तजन, संकीर्तनकार पधारे हैं। सभी भक्त बहुत ही उत्साह के साथ भगवान जगन्नाथ के सामने नृत्य करते हुए इस उत्सव में सम्मिलित हुए।

फूलों से श्रृंगार: श्री गौर राधा मदन गोपाल मंदिर शांति नगर बैरसिया रोड पर भगवान जगन्नाथ को कन्नौज से मंगाए गए डेढ़ क्विंटल फूल के बंगले में दिव्य शृंगार कर विराजित किया गया है। बीती शाम सात बजे श्री राधा कृष्ण एवं भगवान जगन्नाथ बलदेव व सुभद्रा जी के आलौकिक शृंगार के साथ 56 भोग एवं महा आरती के बाद भजन संध्या संपन्न हुई। आज भव्य रथ यात्रा मंदिर परिसर से निकली।

श्रीजी मंदिर में रथयात्रा महोत्सव

राजधानी के लखेरापुरा श्रीजी मंदिर में आज रथयात्रा महोत्सव मनाया जा रहा है। मंदिर के प्रमुख पंडित श्रीकांत शर्मा ने बताया कि जगन्नाथ जी में रथयात्रा आषाढ़ दूज के दिन होती है। पुष्टिमार्ग में महाप्रभुजी वल्लभाचार्य इसका नियम पुष्य नक्षत्र वाले दिन बताया है। जिस दिन पुष्य नक्षत्र हो, उसी दिन रथयात्रा होती है तो इस वर्ष सात जुलाई को यह संयोग रहेगा। रथ लकड़ी से निर्मित 124 वर्ष पुराना है। इसमें आठ पहिए और 16 खंभे हैं। इस रथ को गुजरात के सनखेड़ा के कारीगरों ने बनाया था। पहले तो यह पूरी तरह लकड़ी का था पर अब इसके ऊपरी (छतरी) को 51 साल पहले इसको चांदी का कराया गया है।

कॉलेज प्रवेश: इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए 42 हजार विद्यार्थियों ने कराए पंजीयन

बी फामेर्सी, डी. फार्मेसी , फार्म-डी सहित डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए भी प्रक्रिया शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा संचालनालय (डीटीई) द्वारा ई-प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है। प्रक्रिया के तहत 25 दिनों में विभिन्न कोर्सों के लिए करीब 42 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। इन विद्यार्थियों में से लगभग 34 विद्यार्थियों ने अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी करा लिया है। विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, ई-प्रवेश प्रक्रिया 15 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। वहीं बी फार्मेसी , डी. फार्मेसी , फार्म-डी सहित डिप्लोमा इंजीनियरिंग व अन्य डिप्लोमा कोर्सेस के लिए भी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। काउंसलिंग में सामान्य व टीएफडब्ल्यू के विद्यार्थियों के लिए एक साथ रजिस्ट्रेशन कराए गए हैं।

करीब 300 इंजीनियरिंग और फार्मेसी कॉलेज

तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा करीब 300 इंजीनियरिंग और फामेर्सी कॉलेजों में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक), बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) में प्रवेश प्रक्रिया कराई जा रही है। इस बार चॉइस फिलिंग बाद में कराई जाएगी।

सभी कोर्सेस में प्रवेश के लिए 93 दिन काउंसलिंग होगी, 13 जून से शुरू हुई काउंसलिंग चार राउंड के साथ 15 सितंबर तक चलेगी। पहले दो चरण में सेंट्रलाइज्ड स्तर के होंगे। तीसरे राउंड में कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) होगी। इसके बाद भी सीट खाली होने पर संस्था स्तर पर प्रवेश ले सकेंगे, लेकिन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बीई और बीटेक में करीब 56 हजार, बी. फामेर्सी में करीब 12 हजार, डी. फामेर्सी में करीब नौ हजार, डिप्लोमा इंजीनियरिंग में करीब 26 हजार सीट के लिए काउंसलिंग की जा रही है।

दो पुराने सरचार्ज व डिपाजिट भी जुड़े

बिजली बिलों के करंट से परेशान उपभोक्ता लगा रहे दफ्तरों के चक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिजली की कमी या कटौती से परेशान शहर के लोगों के समक्ष अब बिजली बिल में अमाउंट ज्यादा आने की परेशानी भी जुड गई है। इसकी शिकायत लेकर उपभोक्ता जोन दफ्तरों में पहुंच रहे हैं। इन्हें शिकायत है कि जितनी बिजली खपत नहीं की उससे ज्यादा बिल आया। बताया जाता है कि इस महीने बिजली बिलों में दो चार्ज फ्यूल एवं पावर परचेस एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) और सिक्योरिटी डिपॉजिट एक साथ जुड़े हैं। यही बिलों में अमाउंट ज्यादा होने की एक वजह यह भी है। हालाकि बिजली अफसरों का कहना है कि बीते महीने गर्मी के चलते लोगों ने पंखे कूलर एसी भी खूब चलाए हैं बिजली के बढे बिल मे यह वजह भी हैं। बताया जाता है कि बिजली कंपनी द्वारा हर साल उपभोक्ताओं से जुलाई से सितंबर तक मिलने वाले बिलों में सिक्योरिटी डिपाजिट की राशि भी वसूली जाती है। साल भर

की सबसे अधिकतम खपत की डेढ़ महीने के बराबर की राशि सिक्योरिटी डिपॉजिट (एसडी) के तौर पर जुलाई, अगस्त और सितंबर के बिलों में जोड़कर तीन किस्तों में ली जाती है। बिजली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि यह राशि सुरक्षा निधि कहलाती है, जिसे बतौर अमानत जमा रखा जाता है।जिन उपभोक्ताओं ने साल में चार बार महीने का बिल समय पर नहीं भरा, उनसे दो महीने की अधिकतम खपत के बराबर की राशि तीन किस्तों में वसूली जाती है। यदि किसी उपभोक्ता की राशि पहले से जमा है। यह राशि डेढ़ महीने की अधिकतम खपत से ज्यादा है तो ऐसे उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले बिलों में यह राशि तीन समान किस्तों में माइनस कर दी जाती है। बिजली कंपनी ने 24 जून से फ्यूल एवं पावर परचेस समायोजन सरचार्ज (एफपीपीएएस) 1.03 प्रतिशत बढ़ा दिया है। बिजली उपभोक्ताओं के बिलों में 24 जुलाई तक यह चार्ज जुड़कर आएगा। बताया जा रहा है कि पिछले महीने बिजली कंपनी के सॉफ्टवेयर में एक एरर आ गई थी। इस कारण कई उपभोक्ताओं को स्पॉट पर दिए गए और ऑनलाइन बिलों में अमाउंट में अंतर आ गया था।

ऑप्थल्मिक सहायक पद की चयन सूची जारी

सेवासदन की माया और प्रीतम कौर ने किया टॉप

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवासदन नेत्र चिकित्सालय की दो ऑप्टोमेट्रिस्ट ने ऑप्थल्मिक सहायक पद के चयन में क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान अर्जित किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा फरवरी 2024 में आयोजित प्रतियोगी परीक्षा की कॉमन मेरिट लिस्ट जारी की गयी है। लिस्ट में सेवासदन की माया ज्ञानचंदानी ने प्रथम तथा प्रीतम कौर ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। चयन सूची में कुल 244 अभ्यर्थियों के नाम सम्मिलित हैं, इनमें 14 अभ्यर्थी सेवासदन चिकित्सालय के है।

ऑप्थल्मिक सहायक और ऑप्टोमेट्रिस्ट दृष्टि दोष और नेत्ररोग की प्रारम्भिक जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । नेत्र सुरक्षा की

यह जांच जितनी अचूक होगी, डॉक्टर को रोगी के इलाज में उतनी ही सुविधा होगी । सेवा सदन की ये दोनों ऑप्टोमेट्रिस्ट विगत् अनेक वर्षों से रोगियों के दृष्टिदोष और नेत्र रोगों की जांच कर रही हैं। सेवा सदन के अन्य जिन नेत्र सहायकों का नाम एनएचएम की कॉमन मेरिट लिस्ट में सम्मिलित है।

सूची में ईश कुमार चौबे, तम्मना श्रीवास्तव, सौरभ गुप्ता, सारिका राजपूत, नन्दराम साहू, अल्फिया इस्लाम, सविता जाटव, बलराम सिंह कुर्मी, अर्जुन मीना, कृष्णकांत श्रीवास्तव, पुष्पराज आर्य तथा सिद्धार्थ कुमार पटेल। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ जी ने कहा है कि इन कर्मचारियों ने सेसनेचि में ब?ी संख्या में नेत्र रोगियों की सेवा की है। उनके आशीर्वाद से ही इन कर्मचारियों ने यह सफलता अर्जित की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी और संत सेवक एल.सी. जनियानी ने भी चयनित नेत्र सहायकों को बधाई दी है।

मनमर्जी से फीस बढ़ाने के मामले में प्रशासन की रडार पर डेढ़ दर्जन निजी स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निजी स्कूलों की मनमर्जी पर लगाम कसने की तैयारी हो गई है। फीस बढ़ोतरी मामलों में 16 और निजी स्कूलों के खिलाफ सोमवार को कार्रवाई हो सकती है। अब तक 4 प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की जा चुकी है। इन स्कूलों को बड़ी हुई फीस पेरेंट्स को वापस करनी पड़ी है।

बताया जाता है कि अब तक 30 से ज्यादा स्कूलों की शिकायत हो चुकी है। इनमें से करीब 20 स्कूलों की जांच पूरी हो चुकी है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद जांच जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी है। उनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई जा रही है। नियमानुसार स्कूल सिर्फ 10त्न तक फीस बड़ा सकता है। इससे ज्यादा फीस नहीं बढ़ाई जा सकती है, जो भी ऐसा करता है उसके खिलाफ शिकायत मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर | एक पेड़ मां के नाम लगाया, सामाजिक संस्थाएं भी आगे आईं

बच्चों ने टीचर्स संग रोपे पार्कों एवं स्कूलों में पौधे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने अलग-अलग जगहों पर पौधे रोपकर एक पौधा लगाएं मां के नाम अभियान में सहभागिता की। सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने भी पौधे रोपकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया।

गुलाब उद्यान में पौधारोपण: मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भोपाल नगर-निगम द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में संतनगर स्थित गुलाब उद्यान में पौधे रोपे और माँ के प्रति समर्पण की भावना को व्यक्त किया। प्रकृति के प्रति दायित्वबोध की इस भावना के अवसर पर सिद्धभाऊजी ने अपने संदेश में कहा कि जिस प्रकार माँ, अपने शिशु का लालन-पालन करती है, ठीक उसी प्रकार विद्यार्थी स्वरोपित वृक्षों के प्रति समर्पित बने रहे। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी एवं प्राचार्य बहादुर सिंह ने वृक्षारोपण की क्रमबद्धता को बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल का समस्त शिक्षक परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पार्क में पौधे लगाए

संस्कार विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान में बोरबन पार्क एवं विद्यालय में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, सहसचिव नरेश वासवानी, लेखापरीक्षक पुरूषोत्तम टिलवानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामबसंल, जगदीश आसनानी, श्री गुलाब जेठानी, कमल प्रेमचन्दानी व नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी बच्चों के साथ पौधे लगाए। वासवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर हम सबका कर्तव्य बनता है कि हम एक पेड़ अपनी माँ के नाम अवश्य लगाएं।

जंबूरी मैदान पर पौधे रोप

नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी. शाहानी बालिका उच्चतम माध्यमिक विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों ने राजधानी के जंबूरी मैदान पर पौधारोपण किया।

गमलों में बच्चों ने लगाए पौधे: लाइफ लाइन स्कूल के बच्चों ने गमलों में एक पौधा मां के नाम रोपा। पौधों में रोज पानी डालने का संकल्प लिया।

मातृभूमि ने मंदिर परिसर में लगाए पौधे

सामाजिक संस्था मातृभूमि ने 'एक वृक्ष माँ के नाम अभियान' में संतनगर में इंद्रा नगर मनोकामेशवर मंदिर के प्रांगण में पौधे लगाएवृक्ष लगाए संस्था के अध्यक्ष राहुल राजपूत के नेतृत्व में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत लगाया गया है। इस अवसर पर हेमंत अग्रवाल ,बँटी मीणा,रीना पोद्दार, किशोर पहलाजानी, बाबूलाल मालवीय, कुणाल गौहर व अन्य लोग मौजूद थे।

200 पौधे रोपे बच्चों ने: एल.वी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल में बच्चों ने 200 पौधे रोपे। जिला विधिक प्राधिकरण के न्यायाधीश मृदुल लटौरिया, स्वपनिल वर्मा एवं सृष्टि कुशवाहा अतिथि के रूप में पौधारोपण में शामिल हुए। स्कूल संचालक योगेश हिंगोरानी ने अतिथियों का स्वागत किया। लटौरिया ने कहा कि लड़कियों को अपनी सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए, वह जहां भी रहें निडर होकर रहें और साहसी बनें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भी हमारा मौलिक कर्तव्य है हमें अपने पर्यावरण की सुरक्षा एक पेड़ लगाकर करनी चाहिए।

मूल्यांकन में कलेक्टर समेत दूसरे आईएएस को शामिल करने का मामला

इंडियन फॉरेस्ट सर्विस एसोसिएशन की दिल्ली सेंट्रल यूनिट ने पत्र लिखकर उठाए सवाल

आरपार की लड़ाई के मूड में आईएफएस दिल्ली यूनिट ने सीएम को लिखा पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मूल्यांकन रिपोर्ट में कलेक्टर समेत दूसरे आईएएस को शामिल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यह नौबत 29 जून को मप्र वन विभाग द्वारा जारी उस आदेश के बाद बनी है जिसमें कहा गया है कि भारतीय वन सेवा (आइएफएस) के डीएफओ जैसे अन्य अधिकारियों के वार्षिक मूल्यांकन में कलेक्टर समेत अन्य भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारियों की राय भी जरूरी होगी। इस आदेश की गूंज दिल्ली तक पहुंच गई है। जिसके बाद भारतीय फॉरेस्ट सर्विस एसोसिएशन की सेंट्रल यूनिट दिल्ली ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर कहा है कि कलेक्टर वेतनमान और ग्रेड वेतन में कनिष्ठ होते हैं। ऐसे में आइएफएस के वार्षिक मूल्यांकन में इन अधिकारियों को शामिल करने वाला आदेश हैरान करने वाला है। यह सुप्रीम कोर्ट का उल्लंघन भी भी है।

यूनिट के पदाधिकारियों ने पत्र में लिखा कि एक अधिकारी का मूल्यांकन दो अलग-अलग विभागों (वन और राजस्व) के दो अधिकारियों द्वारा किया जाना ठीक नहीं होगा। इसका असर संबंधित अधिकारी की सर्विस पर विपरित असर पड़ सकता है। यह भी कहा कि भारतीय वन सेवा, सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है जिसका उद्देश्य वनों और वन्यजीवों का वैज्ञानिक प्रबंधन, सुरक्षा और संरक्षण करना है। उक्त बदलाव से आइएफएस का मनोबल गिरेगा।

उल्लेखनीय है कि उप सचिव वन किशोर कुमार कल्याल ने 29 जून को एक आदेश जारी किया था। जिसमें आइएफएस के कार्य निष्पादन एवं मूल्यांकन रिपोर्ट लिखे जाने वाली प्रणाली में बदलाव किया है। जिसमें डीएफओ जैसे कई बड़े आइएफएस की रिपोर्ट पर कलेक्टर समेत अन्य आइएएस अधिकारियों की टिप्पणियों को अनिवार्य किया है। यह 2024-25 से लिखी जाने वाली गोपनीय चरित्रावली पर प्रभावी होगा। यूनिट के पदाधिकारियों ने पत्र में लिखा कि पूर्व में डीएफओ जैसे कुछ आइएफएस की गोपनीय चरित्रावली पर कलेक्टर जैसे कुछ आइएएस का हस्तक्षेप अनिवार्य था। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 1996 में एक केस की सुनवाई के आधार पर खत्म करने के आदेश दिए थे। ऐसे में उक्त व्यवस्था को फिर से प्रभाव में लाना ठीक नहीं है।

वहीं वन विभाग के अधिकारियों की ओर से हवाला दिया गया कि वन प्रबंधन में शामिल विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के बीच पारदर्शिता, दक्षता और सहयोग को ब?ाने के उद्देश्य से नई प्रणाली लागू की है। जिला स्तर पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, वन प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण और माइनिंग उद्योगों में वन और प्रशासन दोनों विभागों की महती आवश्यकता होती है। वर्तमान व्यवस्था में भी वन प्रबंधन और इससे जु? मामलों में जिला कलेक्टर का रोल महत्वपूर्ण होता है और कलेक्टर के अभिमत पर ही प्रस्ताव पास किए जाते हैं इसलिए मूल्यांकन में उनका अभिमत जरुरी है।

कांग्रेस संगठन मजबूत करने की मशक्कत में

चुनाव क्षेत्र की जानकारी और जनाधार के बारे में हारे नेताओं से पूछताछ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस अब मप्रें में संगठनात्मक मजबूती का तानाबाााना बनाने में जुटी है। इसके लिए काम जल्द शुरू होगा। कल व आज इसी पर मंथन चल रहा है। कल दिनभर संभागवार विधानसभा प्रत्याशियों की बैठक कर हार के कारण जानने के बाद आज लोकसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों के साथ बैठक हो रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 27 सीटों पर प्रत्याशी ख? किए थे। उन सबको बैठक में बुलाया गया है। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस की अलग-अलग कमेटियों की भी बैठक होगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ यह बैठक लेंगे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह और सह प्रभारी मित्तल ने बैठक से पहले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों को एक फॉर्मेट भेजा है। इसमें कहा है कि वे अपने चुनाव क्षेत्र की जानकारी फॉर्मेट के आधार पर बैठक में देंगे। इस फॉर्मेट के माध्यम से प्रत्याशी क्षेत्र में पार्टी के जनाधार की स्थिति से संगठन को अवगत कराएंगे।

पंजीकृत डॉक्टर 15 तक कर सकेंगे नामांकन

भोपाल। मप्र मेडिकल काउंसिल के पांच सदस्यों के पहली बार चुनाव कराए जा रहे हैं। इससे डॉक्टरों की सबसे बड़ी इस संस्था में निजी और सरकारी डॉक्टर ही सदस्य के रूप में चुनकर आएंगे। चुनाव के लिए लता शरणागत को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है। चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके अनुसार सदस्य के लिए नामांकन 15 जुलाई तक जमा किए जा सकते हैं। नामांकन फॉर्म रिटर्निंग अधिकारी से प्राप्त किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा का किया अनावरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक तथा जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर प्रतिमा का अनावरण कर नमन किया। उनकी आदमकद प्रतिमा डॉ. मुखर्जी की लालघाटी चौराहे पर स्थापित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता-अखंडता को लेकर राष्ट्रवादी विचारधारा का दृष्टिकोण अंतर्राष्ट्रीय पटल पर रखा। देश में बंग-भंग के षड़यंत्र तथा कश्मीर को लेकर विभाजन की नीति के प्रति लोगों को जागरूक एवं एक करने में डॉ. मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. मुखर्जी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण राजधानी के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, सांसद वी.डी. शर्मा, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी अजय जामवाल और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

युगदृष्टा डॉ. मुखर्जी का देश रहेगा सदा आभारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगदृष्टा थे। उन्होंने देश के सामने मौजूद समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर देश की एकता बनाए रखने और देशवासियों को जागरूक करने का अद्भुत कार्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास भवन में निर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि डॉ. मुखर्जी की जयंती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी स्मृति में विकास भवन में मंत्रोच्चार के बीच पौध-रोपण किया।

दबाव डालकर और लालच में फंसाकर लिए पंचायतों से अनापत्ति प्रमाण पत्र

जल-जीवन मिशन के घोटाले में अधिकारियों व ठेकेदारों ने सरपंच-सचिवों को बनाया मोहरा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा में जिस जल जीवन मिशन के घोटाले को लेकर हंगामा होता रहा, उस घोटाले में प्रदेश के कई पंचायतों के सरपंच-सचिवों को भी मोहरा बनाया गया। संबंधित पंचायतों में काम करने वाले ठेकेदार और क्षेत्र के अधिकारियों ने इन सरपंच-सचिवों पर दबाव डालकर व लालच में फंसाकर अनापत्ति प्रमाण पत्र ले लिए। अब पंचायतों में हाल यह है कि नल-जल योजना तो है लेकिन उसमें पानी नहीं आ रहा है। महिलाएं सिर पर मटके रखककर पानी के लिए दो से चार किलोमीटर का चक्कर लगा रही है।

असल में विधानसभा के मानसून सत्र में नल-जल योजना में हुआ भ्रष्टाचार छाया रहा।

विपक्ष ने सत्तापक्ष को गिन-गिनकर भ्रष्टाचार गिनाए। जिसमें प्रमुख भ्रष्टाचार जल जीवन मिशन का भी रहा। इस भ्रष्टाचार पर सरकार को जवाब देना पड़ा था और मानना पड़ा था कि कई पंचायतों में गड़बड़ियां हुई है, उसे दूर करेंगे और ठेकेदारों को जेल भेजेंगे।

योजना चालू करके बताई, फिर बंद हो गई

ठेकेदारों ने आनन-फानन में योजना को चालू करके बताया। जिसके बाद से वह हमेशा के लिए बंद हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के अंदर जल्बाजी में काम किया। इसका नतीजा यह रहा कि न तो नालियां ठीक से खुदी न ही गुणवत्तापूर्ण् बाकी काम किए और ठेकेदार अफसर पूरा काम समेटकर भाग निकले। अब कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पंचायतों के पास भी इतनी राशि नहीं कि है इन नल-जल योजनाओं को नए सिरे से ठीक किया जा सके।

मप्र के जलाशयों की सितंबर तक जियो टैगिंग कराने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब मध्य प्रदेश के जलाशयों की जियो टैगिंग करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य को सितंबर, 2024 तक पूरा करना होगा। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 52 जिलों में कुल 240 जलाशय हैं जिनमें से 163 की ऑनलाइन जियो टैगिंग हो गई है

77 जलाशयों की टैगिंग का काम बाकी

और 77 की होनी है। जानकारी के मुताबिक इस कार्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने सभी मैदानी कार्यपालन यंत्रियों को निर्देश जारी किए हैं।जियो टैगिंग के बाद जलाशयों को मंत्रालय में बने सिचुएशन सेंटर से जोड़ा जाएगा और इनकी ऑनलाइन मानिटरिंग भी की जा सकेगी। इसके लिए जलाशयों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इसमें बांधों में किसी दरार या फिर जलस्तर का पता लगाने का काम आनलाइन किया जा सकेगा। इधर, नगरीय विकास एवं आवास विभाग भी शहर के जल संरचनाओं की मोबाइल एप से जियो टैगिंग करवा रहा है। जल संरचनाओं के किनारों को अतिक्रमण से बचाने और नदी-तालाबों के कटाव को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर गेहूं और धान के अतिरिक्त दुग्ध खरीदी पर बोनस दिया जाएगा

आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ वार्षिक तक ले जाने के प्रयास किए जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेन्ट्रल इण्डिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश बजट संदेश कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन विक्रम विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.अखिलेश कुमार पाण्डेय ने की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथजी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विवेक जोशी, सेन्ट्रल इण्डिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स की उज्जैन इकाई के अध्यक्ष माणकलाल गिरिया, संजय अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, राजेन्द्र भारती, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार राज्य का बजट पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इस बार का बजट विकासोन्मुखी है। प्रदेश को आगे ब?ाने के लिये बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। अगले पांच वर्षों में प्रदेश का बजट सात लाख करो? रुपये वार्षिक तक ले जाने का प्रयास है। इस बार के बजट में प्रदेश के समग्र विकास के लिए समुचित प्रबंध किए गए हैं। हमें अधोसंरचनात्मक विकास पर विशेष ध्यान देना है, ताकि आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। खेती के लिये पर्याप्त सिंचाई हो सके, इसके लिये हमें मिलने वाले पानी का पूर्ण उपयोग करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि गंभीर डेम में पाईप लाइन के माध्यम से मां नर्मदा का पानी भरा जायेगा। यशवंत सागर बांध को भी पाईप लाइन के माध्यम से भरने का कार्य किया जायेगा। इस प्रकार बांधों में वर्षभर पानी उपलब्ध रहेगा। चंबल, पार्वती, कालीसिंध नदी के जल का उपयोग करने के लिये केन्द्र सरकार से 35 हजार करो? रुपये की राशि से कार्य योजना बनाई जा रही है, जिससे प्रदेश के कई जिलों को लाभ मिलेगा। बुंदेलखण्ड क्षेत्र में बेतवा नदी पर भी कई परियोजनाएं प्रारम्भ की जायेंगी। बजट का 40 प्रतिशत औद्योगिक विकास के लिये निर्धारित किया गया है। उद्योग के लिये मूलभूत आवश्यकताओं में शामिल जमीन, पानी, बिजली, सड़क के लिये सुव्यवस्थित तरीके से कई कार्य योजनाएं बनाई जायेंगी। प्रदेश में छह नये एक्सप्रेस-वे बनाये जायेंगे। नये फोरलेन बनाये जायेंगे, पुराने मार्गों को दुरूस्त किया जायेगा, ताकि उद्योगों की स्थापना के लिये उचित दरों पर जमीन मिल सके। खदान आधारित उद्योगों के सरल आवागमन के लिये फोरलेन मार्ग बनाये जायेंगे। एयर टैक्सी की सुविधा प्रारम्भ की गई, ताकि कम समय में दूरस्थ क्षेत्रों की यात्रा की जा सके। स्वास्थ्य के क्षेत्र को और सुदृढ़ बनाने के लिये प्रदेश के गांव के सामुदायिक केन्द्रों में डॉक्टरों की भर्ती की जायेगी। प्रदेश में 42 हजार चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के पद एकसाथ भरे जायेंगे। चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्र को और मजबूत किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि वन क्षेत्रों में पेसा एक्ट लागू किया गया है। इसके माध्यम से वनोपज पर एमएसपी प्रदाय की जा रही है।

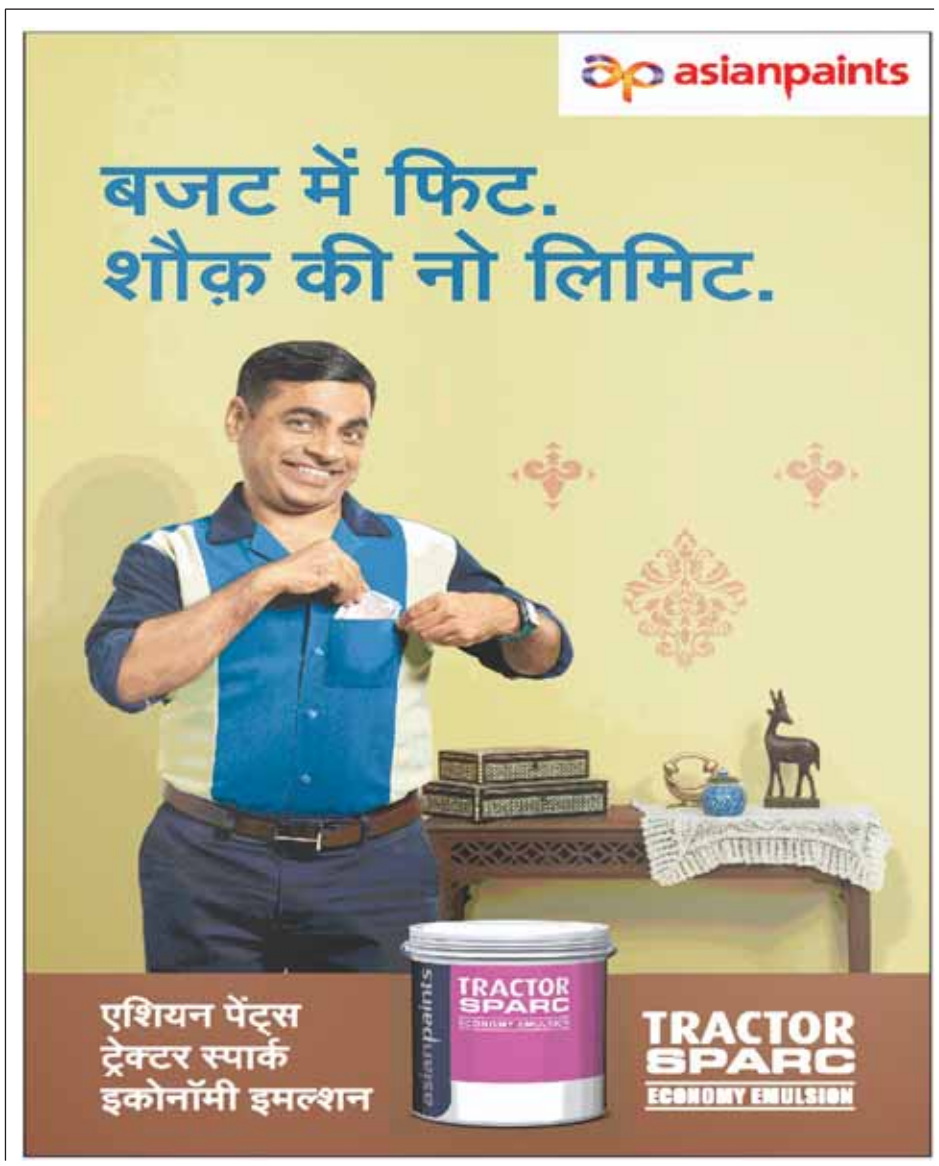

अनियंत्रित भीड़ के खतरे... और त्रासदी के बाद फिर उठा जवाबदेही का सवाल

■ अद्वैता काला

कुछ वर्ष पहले मैं खुद श्रद्धालुओं की भीड़ में फंस गई थी। बृहस्पतिवार की उस गर्म दोपहर में हम सभी लोग शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे। एक समय ऐसा आया, जब श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी बढ़ गई कि मैं बेचैन हो उठी और मुझे लगा कि मैं वापस बाहर निकल जाऊं। लेकिन निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। मैं लोगों की भीड़ में फंसी हुई थी और अगर जरा भी चूक होती, तो कुचले जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था।मैं वहां से किसी भी तरह स्वस्थ और सुरक्षित वापस निकलने के लिए प्रार्थना कर रही थी। मैं असहाय महसूस कर रही थी। सौभाग्य से निर्विघ्न दर्शन संपन्न हो गए। लेकिन उस दोपहर की यादें अब भी मेरे जेहन में हैं। और हर बार जब भी कहीं भीड़ के कुचलने की घटना होती है, तो वह घटना फिर से सामने आ जाती है। ऐसी घटनाएं हमारे देश में आम हैं, लेकिन ऐसा बहुत कम मौकों पर होता है, खासकर धार्मिक समारोहों के दौरान।

ऐसी त्रासद घटनाएं केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी होती हैं। वर्ष 2015 में पवित्र हज यात्रा के दौरान 2,000 से ज्यादा श्रद्धालु भीड़ में कुचलकर मर गए थे। अभी हाथरस में एक स्थानीय धर्म गुरु के सत्संग से बाहर निकलते समय 120 से ज्यादा लोग भीड़ में कुचलकर मर गए। हालांकि भारत में भीड़ में कुचलने का इतिहास काफी पुराना है। स्वतंत्र भारत में ऐसी पहली घटना फरवरी, 1954 में कुंभ मेला के दौरान हुई थी, जिसमें आज भी लाखों श्रद्धालु आते हैं। अनुमानों के मुताबिक, उस त्रासद घटना में करीब 800 तीर्थयात्रियों ने अपनी जानें गंवाई थीं। उस समय द गार्जियन में छपी रिपोर्ट में सैकड़ों लोगों के लापता होने की बात कही गई थी। भीड़ द्वारा कुचले जाने की दुखद कहानी दशकों से जारी है। दक्षिण भारत के सबरीमाला से लेकर नागपुर, मध्य प्रदेश और पटना तक, इन घटनाओं ने श्रद्धालुओं को झकझोर कर रख दिया है। यह बात साबित हो चुकी है कि उत्साह और भीड़ का मेल अच्छा नहीं होता, फिर भी हमारे जैसे धार्मिक देश में इनका मेल अपरिहार्य रूप से होता ही है। हालांकि कुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों का प्रबंधन अच्छी तरह से किया गया है, खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में पिछले कुंभ का। लेकिन, 'छोटे' धार्मिक आयोजनों एवं सत्संगों में यह नहीं दिखता। हालांकि, ऐसे ज्यादातर आयोजन तमाम अव्यवस्थाओं के बावजूद सुरक्षित ढंग से निपट जाते हैं, लेकिन हाथरस जैसी विनाशकारी घटनाएं हमें एक बार फिर अनियंत्रित भीड़ के पीछे छिपे खतरे के बारे में चेताती हैं। हालांकि किसी की भक्ति एवं आस्था को नकारा नहीं जा सकता और यह लोगों का अधिकार है। ऐसे सामूहिक आयोजन मानवीय पीड़ा के लिए सांत्वना और सामुदायिक भावना प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों में जाने वाले लोग आम तौर पर समाज के गरीब तबके के होते हैं और जब लोग इन पर टिप्पणी करते हैं, तो उनमें अभिजात वर्गीय भावना ही दिखती है।

देश में अक्सर होने वाली इन घटनाओं के प्रबंधन के लिए तत्काल एक व्यापक नीति की आवश्यकता है। हालांकि ऐसे आयोजनों से पहले प्रशासन से मंजूरी लेने का प्रावधान है, लेकिन इन सभाओं में आने वाले लोगों की संख्या हमेशा गलत होती है। अक्सर इनमें उपस्थित होने वाले लोगों की संख्या अनुमान से ज्यादा होती है, जिससे सभी व्यवस्थाएं अपर्याप्त हो जाती हैं। आखिर जब अप्रत्याशित ढंग से भीड़ इकट्ठी होकर अनियंत्रित ढंग से व्यवहार करने लगे, तो कितनी भी व्यवस्था कम ही पड़ेगी। ऐसे में यह जरूरी है कि इन सत्संगों के आयोजक को भीड़ के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। अधिकारियों को भीड़ को सीमित करना चाहिए, हालांकि इससे भावनात्मक समस्या पैदा हो सकती है और स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है। लेकिन सुरक्षा के हित में लोगों को वापस भेजा जाना चाहिए और जरूरत होने पर आयोजकों को भी दंडित करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जब आयोजक भक्तों को बुलाएंगे, तो उनकी ज्यादा बड़ी जवाबदेही होगी। इसके अलावा, पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यह महत्वपूर्ण है कि धर्म गुरु, जो निश्चित रूप से संपन्न होते हैं, सुरक्षा बढ़ाने, किसी अप्रिय घटना की स्थिति में आपात एवं प्रारंभिक चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था?करने के लिए निजी भीड़ प्रबंधन पेशेवरों की व्यवस्था करें। इन आयोजनों में पुलिस बल का ध्यान मुख्यतः आतंकवादी घटनाओं से सुरक्षा पर होता है।

शांतिपूर्ण भक्तों की भीड़ का प्रबंधन उनकी दूसरी प्राथमिकता होती है। भक्तों का सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पेशेवर भीड़ प्रबंधकों के सहयोग की आवश्यकता होती है। इन मुद्दों का समाधान केवल निजी और सार्वजनिक सहयोग से ही हो सकता है। ऐसी घटनाएं घट जाने के बाद फरार धर्म गुरु का पीछा करना देर से उठाया गया नाकाफी कदम है। होना तो यह चाहिए कि तीर्थयात्रियों और भक्तों को भीड़-भाड़ वाली स्थिति में उचित और सुरक्षित व्यवहार के बारे में शिक्षित किया जाए। सामूहिक घबराहट अनिवार्य रूप से ऐसी त्रासद घटनाओं का कारण है। हाथरस हादसे में भी आयोजन बगैर किसी हादसे के संपन्न हो ही गया था, लेकिन धर्म गुरु के पास जाने और उनके पैर छूने की होड़ के कारण भगदड़ मच गई। ऐसी अपार भक्ति उन लोगों को राहत प्रदान करती है, जो असहाय महसूस करते हैं, जो मानते हैं कि एक स्वयंभू दिव्य सत्ता की एक झलक पाने या स्पर्श करने भर से उनका जीवन संवर जाएगा। यह एक ऐसी भावना है, जिसका प्रबंधन कोई भी सुरक्षा व्यवस्था नहीं कर सकती।

ऐसी परिस्थितियों में त्रासद घटनाएं होना अपरिहार्य है और इसका समाधान व्यावहारिक कदमों से निकल सकता है, जैसे कि व्यवस्थाएं बनाना और आयोजकों व धर्म गुरुओं को जवाबदेह बनाना। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण समाधान तो आम जनता में ही निहित है, जो निहायत भोलेपन और अच्छे इरादों के साथ इन आयोजनों में शामिल होती है। – साभार

आखिर कैसे इतने बड़े हो जाते हैं ये बाबा?

हाथरस की घटना से भारत के राजनीतिक दलों को सीख लेनी चाहिए और इन बाबाओं पर भी इसी तरह नजर रखनी चाहिए

■ अक्षय शर्मा

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाने के फुलरई गांव में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने हर किसी को यह सोचने को मजबूर कर दिया कि इंसान इस कदर अंधभक्त हो सकता है। एक स्वयंभू बाबा के अंधभक्तों ने बाबा की चरण रज सिर माथे लगाने के चक्कर में 121 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। दरअसल, जो कुछ भी हाथरस में हुआ और उसके बाद अब जो भी हो रहा है यह पूरा देश देख रहा है। मौत का सत्संग करने वाले बाबा को इस घटना के लिए जिम्मेदार तक नहीं ठहराया जा रहा। पुलिस और प्रशासन इस सत्संग कांड में बाबा पर हाथ डालने से बचता दिख रहा है। खास बात यह है कि अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए राजनीतिक दल सब कुछ करने के लिए तैयार रहते हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसका दूरगामी परिणाम क्या होना है। उन्हें मतलब है तो सिर्फ अपने चुनाव से, उसके लिए वो किसी से भी हाथ मिलाने के लिए तैयार खड़े रहते हैं। खासतौर से बाबाओं की चरण वंदना करने में किसी भी दल के नेता पीछे नहीं रहते। क्योंकि वहां से इनको बड़ा वोट बैंक मिलता है, इसी कारण कभी भी समय रहते इन धर्म के दुश्मनों पर आसानी से कोई एक्शन नहीं होता। दरअसल, एक्शन होता भी है तो तब जब ये एक ऐसे बड़े वर्ग को प्रभावित कर चुके होते हैं। जो इनके लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। भारत के राजनीतिक दलों को सीख लेनी चाहिए हाथरस की घटना से और इन बाबाओं पर भी इसी तरह नजर रखनी चाहिए जिस तरह देश के दुश्मनों पर, बड़े भ्रष्टाचारियों पर या बड़े अपराधियों पर रखी जाती है। ऐसा कहने के पीछे एक लंबी लिस्ट है, जो बाबा अभी जेलो में अपनी सजा काट रहे हैं उन सबकी चरण वंदना भी हमारे नेता कर चुके हैं। हर पार्टी में इस तरह के लोग भरे पड़े हैं, जो इन बाबाओं के सामने अपना सिर झुकाते हैं, वोट बैंक के लिए इनके चरणों में गिर जाते हैं। आसाराम, राम रहीम, संत रामपाल, स्वामी नित्यानंद, निर्मल बाबा जैसे बाबा इनके सटीक उदाहरण हैं। बड़े से बड़ा नेता इनके आगे-पीछे घूमता था। हाथरस कांड में बाबा को जिस तरह बचाया जा रहा है वह ठीक नहीं है। कोई भी इस तरह का आयोजन बिना किसी की परमिशन के होना संभव नहीं था और अगर बाबा इतने ही अच्छे हैं, तो उन्होंने समय रहते अपने भक्तों के बीच पहुंचकर हालात क्यों नहीं देखे? आखिर कहां गायब हैं बाबा तमाम सवाल सामने हैं, पर जवाब किसी के पास नहीं। क्योंकि हमारा राजनीतिक सिस्टम तो बाबाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सपोर्ट करता है। काश ये बात हमारे नेताओं को भी समझ आए, वो भी मानव को मानव की तरह देखें ना कि सिर्फ वोटर की तरह।

– साभार

'लिंकन' को लगी लू!... पिघली अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति की मोम की मूर्ति

वाशिंगटन डी.सी. में अमरीकी गृहयुद्ध युग के शरणार्थी शिविर 'कैंप बार्कर', जहां आज गैरीसन एलीमेंट्री स्कूल है, में स्थापित की गई अब्राहम लिंकन की यह उत्कृष्ट मोम की मूर्ति पिछले दिनों भीषण गर्मी के कारण पिघल गई। कलाकार सैंडी विलियम्स चतुर्थ ने '40 एकड़- कैंप बार्कर' प्रदर्शनी के एक हिस्से के रूप में लिंकन मेमोरियल की यह मोम की प्रतिकृति बनाई थी। 'कैंप बार्कर' और दूसरे शरणार्थी शिविरों में पहले गुलाम बनाए गए और मुक्त किए गए अफ्रीकी अमरीकी रहते थे। 'कल्चरल डीसी' की इस परियोजना के तहत स्थापित लिंकन की प्रतिकृति सिर्फ मोम की मूर्ति नहीं है बल्कि इसे बत्तियों के साथ एक मोमबत्ती की तरह सार्वजनिक रूप से पेश किया गया है ताकि लोग इन्हें जला भी सकें। प्रतिकृति का यह तीसरा संस्करण है। दर्शक सावधानी बरतें इसके लिए इसमें नीचे एक पट्टिका पर लिखा गया – 'कृपया 1–2 मिनट के भीतर अपनी बत्तियां बुझा दें।' लिंकन की मूर्ति के सिर को गिर कर टूटने की आशंका के चलते फिलहाल हटा लिया गया है। आने वाले दिनों में इसे पुनः जोड़ा जाएगा। इस प्रदर्शनी में रॉबर्ट ई. ली, स्टोनवॉल जैक्सन, जे.ई.बी. स्टुअर्ट और थॉमस जेफरसन की मूर्तियां भी शामिल हैं।

रोमांच के साथ जीवन की सीख

■ राजेंद्र कुमार शर्मा

ट्रैवलिंग बहुत से लोगों की पसंदीदा हॉबी में शामिल है। युवा भविष्य में अपनी इसी हॉबी को अपना करिअर भी बना सकते हैं। जहां एक ओर टूरिज्म में करिअर की दृष्टि से अच्छी संभावनाएं हैं, वहीं दूसरी ओर घूमना-फिरना स्वास्थ्य और जीवन में बहुत कुछ सीखने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। नई जगहों को एक्सप्लोर करना, इन जगहों पर घूमना-फिरना अपने आप में रोमांच से भरा अनुभव होता है। इसके साथ ही भ्रमण से जो हम सीखते हैं वो आपको किसी स्कूल-कॉलेज में सीखने को नहीं मिलता। बस, ट्रेन या लोकल ट्रांसपोर्ट में सफर करने के दौरान नए लोगों से मुलाकात होती है। वे हमारी उन जगहों की संस्कृति और रीति-रिवाजों को समझने में मदद करते हैं जिसकी हमें जानकारी नहीं होती। यद्यपि ट्रैवलिंग के दौरान आंख मिचकर किसी भी अनजान व्यक्ति पर विश्वास नहीं करना चाहिए। व्यक्ति की परख करना आना चाहिए जो हम भ्रमण के दौरान सीख सकते है। आश्वस्त होने पर, नई जगहों के स्थानीय लोगों से संपर्क कायम किए जा सकते है। समान की खरीदारी या लोकल ट्रांसपोर्ट हायर करने के समय मोलभाव करने में सहायक हो सकते हैं। अकेले यात्रा के दौरान सभी तरह के प्रबंध स्वयं करने पड़ते हैं और ऐसे में हमें अपनी मानसिक क्षमताओं का आकलन करने का अवसर मिलता है। जो हमें मानसिक रूप से मजबूत और स्वस्थ बनाता है। इन यात्राओं के दौरान मोलभाव करने की कला सीखते हैं। भ्रमण द्वारा आप में आत्मविश्वास आता है।

शारीरिक क्षमता पर प्रभाव

नई जगहों का वातावरण, मौसम, खान-पान सभी कुछ हमारे अपने कल्चर और रहन-सहन से अलग होता है। जैसे पहाड़ों पर ठंड, रेगिस्तानी क्षेत्रों में ग्रीष्म में गर्मी खूब पड़ती है। समुद्र तटीय क्षेत्रों में गर्मी के साथ नमी अधिक होती है और ऐसी जगहों का भ्रमण शरीर को अनुकूलन की क्षमता के साथ ही शरीर को मजबूती प्रदान करता है। अलग-अलग जगहों की यात्रा के दौरान जाने अनजाने हम विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म जीवों के संपर्क में आते ही रहते हैं जो परोक्ष रूप से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने में मदद करता है।

आत्म-अवलोकन का अवसर

ट्रैवलिंग हमें आत्म-अवलोकन का भी अवसर उपलब्ध करवाता है। नई जगहों के भ्रमण के दौरान हमें स्वयं का आत्मनिरीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। हम स्वयं से साक्षात्कार कर, अपनी स्ट्रेंथ और अपनी वीकनेस का आंकलन कर, उनमें सुधार करने के विषय में विचार कर सकते है। मस्तिष्क की सृजन शक्ति में इजाफा करता है।

सकारात्मकता का संचार

प्रतिवर्ष अपने नियमित दिनचर्या से कुछ समय निकालकर, अपने शहर से बाहर कहीं घूमने-फिरने का शौक दैनिक जीवन के तनाव से मुक्त करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नई जगहों की रोमांचक यात्राएं एक नया विश्वास जगाती हैं जिससे मस्तिष्क सकारात्मकता से भर उठता है। जीवन में आगे बढ़ने का उत्साह बना रहता है। अवसाद से मुक्ति

अक्सर देखा गया है कि लंबी बीमारी के बाद व्यक्ति डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, जिसकी वजह बीमारी के दौरान निरंतर एक जैसे माहौल में रहना हो सकता है। ऐसे में जगह परिवर्तन या थोड़ा घूमना-फिरना अवसाद से मुक्ति में विशेष मदद कर सकता है। घूमने-फिरने से हम हल्का और रिलेक्स महसूस करते हैं तथा तनाव मुक्त रहते हैं। आयु तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने के साथ-साथ इस तरह के भ्रमण नियमित रूप संभव नहीं हो पाते हैं। फिर भी हो सके तो अच्छी, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर, रमणीय स्थलों की यात्रा के अवसरों को खोना नहीं चाहिए। एक खुशहाल जीवन के लिए घूमना-फिरना बहुत जरूरी है।

– साभार

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद मामला सामने आया

स्कूल की लापरवाही के कारण 19 विद्यार्थियों का रुका रिजल्ट

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

उपनगर बानापुरा के शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 19 विद्यार्थियों ने प्राइवेट परीक्षा के फॉर्म भरे।यह फार्म स्कूल के बृहत द्वारा विद्यार्थियों से फीस लेकर

अपने पास रख लिए गए जब परीक्षा नजदीक आते इन 19 छात्र छात्राओं का प्रवेशपत्र नहीं आया तब इस स्थिति में दो विद्यार्थियों ने इस बात की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर करने के बाद यह पूरा मामला प्रकाश में आया। सिवनी मालवा के उपनगर बानापुरा स्थित नेहरू माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 वीं के 11 छात्र-छात्राएं कक्षा 12 वीं के 8 छात्र ने सन 2023 /24 की होने वाली परीक्षा के लिए परीक्षा शुल्क?1300 प्रतिफॉर्म 19 विद्यार्थियों ने स्कूल के ही बृहत गोविंद केवट के पास जमा करने की बात सामने आई। विद्यार्थियों को अब इस स्थिति में परीक्षाएं पास आती हुई दिखाई दी और अपने भविष्य की नैया डगमगाती दिखाई दी तो मामला सीएम हेल्पलाइन के बाद जिला प्रशासनिक अधिकारियों के पाले में आया जिस पर जिला कलेक्टर नर्मदा पुरम ने तत्काल विद्यार्थियों की परीक्षा दिलवाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी सहित सिवनी मालवा शिक्षा विभाग सहित स्थानीय प्रशासन को आदेशित किया।

स्कूल की तत्कालीन प्राचार्य श्रीमती संगीता यादव द्वारा 2000 प्रति छात्र बिलंब शुल्क के साथ फार्म परीक्षा के एक दिन पूर्व 19 ही विद्यार्थियों के फॉर्म भरे गए और विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सम्मिलित होकर परीक्षा दी। परीक्षा में सम्मिलित होकर इन छात्रों को लगा होगा कि अब हमारा भविष्य अंधकार से उजाले की और दिखाई दे रहा है जब कक्षा दसवीं और बारहवीं के इन छात्र-छात्राओं के साथियों का रिजल्ट अप्रैल और मई के महीने में घोषित तो हुआ लेकिन इन 19 विद्यार्थियों का रिजल्ट माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा अघोषित कर दिया गया। सूत्रों की माने तो शिक्षा मंडल का कहना है कि विद्यार्थियों को 10 हजार प्रति छात्र छात्राओं की विलंब शुल्क के साथ जमा करने के बाद रिजल्ट घोषित करने की बात सामने आ रही है साथ में यह भी लिखा है ये शुल्क विद्यार्थियों से किसी भी परिस्थिति में नहीं लिया जाए। इस पूरे मामले डी,ओ,संयुक्त सचालक की एक जांच समिति गठित कर पूरे मामले की जांच की जा रही है। बीते रोज शुक्रवार के दिन जिला प्रशासन के निर्देशन पर जांच समिति के सिवनी मालवा एसडीम सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सोपी गई है।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर किया पौधारोपण

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु सभी व्यक्तियों को एक पेड अवश्य लगाना चाहिए। एक पेड मां के नाम अभियान के तहत जगह-जगह अपार उत?साह से पौधरोपण का कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आम जनता आगे आकर पौधरोपण कर रही है और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने शुक्रवार को नगरपालिका परिषद पिपरिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समस्त पार्षदगण तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने गुरू गोविंद सिंह पार्क न्यास कॉलोनी नर्मदापुरम में पौधरोपण किया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती हेमेश्वरी पटले सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधरोपण किया। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर वीआईसीएस श्री शिवम मिश्रा एवं सहकारिता के अधिकारियों ने अपने कार्यालय के परिसर में पौधरोपण किया।

गजनई नर्मदा तट क्षेत्र में विकासखण्ड समन्वयक किशोर कडोले एवं नवांकुर संस्था निर्मल विकास सेवा समिति के मुख्य राजेन्द्र ठाकुर ने ग्रामीणों एवं छात्रों से सहयोग से 500 पौधों का रोपण किया शांति धाम घाट पर भी 50 पौधो का रोपण किया गया। जन अभियान परिषद द्वारा केसला में सागौन, मुनगा एवं साज के 100 पौधे रोपित किए। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अंतर्गत ग्राम बीसारोडा, साकेत, नानपा, तालनगरी, रंढाल, पांजराकलां में पौधरोपण किया गया। सभी ग्राम पंचायत में कम से कम 60 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

न्यायालय परिसर में पौधरोपण एवं विधिक साक्षरता शिविर

नर्मदापुरम मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में एवं माननीय अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश के निर्देश पर शशि सिंह, सचिव / जिला न्यायाधीश के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के माध्यम से 'पंच-ज' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक कुल 72 दिन तक वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान आज जिला न्यायालय परिसर नर्मदापुरम में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारापेण कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार (सीनियर) एवं प्रियदर्शन शर्मा, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय द्वारा बेलपत्र एवं अशोक का पौधा रोपित किया गया तथा शिविर में उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारियो एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षों की महत्व के बारे में जानकारी दी गई, एवं अपने-अपने घरों में एवं कॉलोनियों में बने बगीचों, मंदिरों, एवं खाली जगहों में अधिक से अधिक संख्या में पौधारोण करने हेतु कहा गया।

कार्यक्रम में शशि सिंह, जिला न्यायाधीश / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जफर इकबाल, प्रथम जिला न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती रितु वर्मा कटारिया, सिविल जज सीनियर डिवीजन शिवचरण पटेल, श्रीमती रूचि पाण्डेय, प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याया बोर्ड, सिविल जज जूनियर डिवीजन श्रीमती प्रियंका रतोनिया सिंह, सुश्री अदिती मण्डलोई, जिला विधिक सहायता अधिकारी कु0 अंकिता शाडिल्य, जेल अधीक्षक संतोष सिंह सोलंकी, जेलर हितेश बांडिया, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सतीश तिवारी डिप्टी चीफ, अनंत तिवारी असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, मंगल सिंह परिहार, सुश्री पूजा अवस्थी, पंखुरी बराड़िया, न्यायालय अधीक्षक, अजीत गोयल, न्यायालय उपाधीक्षक शिवसिंह लोधी, जिला नाजिर गोविंद इवने सहित जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त अधिकारियो एवं कर्मचारियों द्वारा 5-5 पौधे रोपित किये गये।

वार्ड 20 में लगाए गए नीम, आंवला, वेलपत्र सहित अन्य पौधे

इटारसी। शनिवार को वार्ड क्रमांक 20 में इटारसी नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के मतदान केन्द्र पर शक्ति नगर कालोनी में भाजपा के पितृपुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। जिसमें सर्वप्रथम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि एक देश एक विधान एक संविधान का नारा देने वाले डॉ. मुखर्जी का देश की अखंडता के लिए विशेष योगदान रहा। जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून पर्यावरण दिवस पर बौद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर देश के सभी नागरिकों से आव्हान किया है कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु एक एक पौधा लगाकर पर्यावरण को संतुलित बनाने में मदद करें। उन्होंने बताया कि एक पेड़ मां के नाम से चल रहे इस अभियान के अंतर्गत शक्ति नगर बूढ़ी माता मंदिर के पास पार्क में कालोनी के बुजुर्ग माताओं बहनों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

संभाग आयुक्त ने 50 हेक्टर में लगने वाले पौधारोपण का किया शुभारंभ

सिवनी मालवा। सतपुड़ा जंगल के वन परिक्षेत्र बानापुरा परिसर पश्चिम के नया गांव के कक्ष क्रमांक आर,एफ, मे 50 हेक्टर में लगने वाले पौधारोपण का शुक्रवार के दिन संभाग आयुक्त नर्मदापुरम कृष्ण गोपाल तिवारी के द्वारा वर्ष 2024 के वृक्षारोपण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान कृष्ण गोपाल तिवारी द्वारा पीपल का पौधा रोपित कर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान अनिल कुमार शुक्ला, मुख्य वनसंरक्षक नर्मदापुरम एवं मयंक सिंह गुर्जर, वन मंडल अधिकारी नर्मदापुरम के द्वारा विभागीय कार्यो एवं वन सुरक्षा के संबंध में आयुक्त श्री तिवारी को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सरोज सिंह परिहार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी मालवा, अनिल विश्वकर्मा, उप वनमंडल अधिकारी, सिवनी मालवा, श्रीमति श्रुती चौधरी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिवनी मालवा, राकेश खजुरिया तहसीलदार सिवनी मालवा, ज्ञानसिंह पंवार वन परिक्षेत्र अधिकारी बानापुरा एवं सुश्री वंदना मेहतो, वन परिक्षेत्र अधिकारी सिवनी मालवा के साथ वन विभाग, राजस्व विभाग एवं जनपद पंचायत के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकार और समाज को आईना दिखाने का काम करता है मीडिया: कलेक्टर

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

मीडिया सरकार की कमियों और समाज की विसंगतियों की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करने का काम करता है, ताकि व्यवस्थाएं बेहतर हो सकें। वास्तव में सरकार और समाज को आईना दिखाने का काम करता है मीडिया। यह बात कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने आष्टा प्रेस क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम में कहीं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि एक समय था जब हम सभी को देश-दुनिया में क्या घटना दुर्घटना घटी है या क्या ताजा खबरें है, यह केवल एक निश्चित समय पर ही मिल पाती थी। उस वक्त प्रचार और प्रसार के इतने साधन नहीं थे। आज सोशल मीडिया के रूप में एक बड़ा माध्यम उपलब्ध है। आज सोशल मीडिया इतना एक्टिव मीडिया है कि कुछ ही समय में देश-विदेश की खबरें सोशल मीडिया के माध्यम से पूरी दुनिया में प्रसारित हो जाती है और चंद मिनट में ही वायरल भी हो जाती हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने सीहोर जिले के प्रेस की सराहना करते हुए कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी तथा शांतिपूर्ण संपन्न कराने में प्रेस की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से हम मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का जिले भर में प्रचार प्रसार कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर सके हैं। जिससे मतदान का प्रतिशत पूरे प्रदेश में बेहतर रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर ने भी संबोधित किया। उन्होंने पत्रकार भवन के लिए 5 लाख रुपये की राशि की घोषणा की है। कार्यक्रम में आष्टा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीक्षा सोनू गुणवान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आशा प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री बाबू पांचाल सहित नगर के पत्रकार उपस्थित रहे। आष्टा प्रेस क्लब द्वारा आष्टा में पत्रकारों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया।

पॉक्सो एक्ट के संबंध में पैरालीगल वालेन्टियर्स को दिया गया प्रशिक्षण

सीहोर । राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में पैरालीगल वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि, पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत पीड़ितों को वांछित सहायता उपलब्ध कराने के लिए सपोर्ट पर्सन नियुक्त किये जाने का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम में पॉक्सो अधिनियम में सपोर्ट पर्सन के कार्यों एवं पॉक्सो अधिनियम के अन्य सुसंगत प्रावधानों के बारे में सरल शब्दों में जानकारी देते हुए सभी को बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों को रोकने के लिए अधिक सजग एवं सक्रिय होने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में नालसा के जेल में निरूद्ध किशोरों की पहचान तथा विधिक सहायता उपलब्ध कराने सम्बंधी अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जेल में निरूद्ध किशोरों की पहचान करने तथा उनके मामलों की कार्यवाही किशोर न्याय बोर्ड में स्थानांतरण के सम्बंध में जानकारी दी गई।

सेवा भारती की हुई बैठक, आगामी कार्यक्रमों की बनाई रूपरेखा

सिरोंज। सेवा भारती के द्वारा संस्कार केदो के माध्यम से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जहां पर बच्चों युवा पीढ़ी को संस्कार देने का काम भी यहां पर हो रहा है सामाजिक कार्यक्रम भी किया जा रहे हैं। वही सेवा भारती की एक बैठक का आयोजन शनिवार को हुआ जिसमें एक दिवसीय प्रशिक्षण के संबंध में जिला अध्यक्ष राजेश भार्गव ,उपाध्यक्ष डॉ संजीव माथुर की मौजूदगी में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई आगामी कार्य योजना भी तैयार की गई। संस्कार केदो पर किस तरह से कार्यक्रम आयोजित करना है साथ ही आगामी माह में खाली स्थान पर वृक्षारोपण करने पर भी जोर दिया गया ।इस दौरान कपिल चौहान, अवतार सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।। काम भी यहां पर हो रहा है सामाजिक कार्यक्रम भी किया जा रहे हैं। वही सेवा भारती की एक बैठक का आयोजन शनिवार को हुआ जिसमें एक दिवसीय प्रशिक्षण के संबंध में जिला अध्यक्ष राजेश भार्गव ,उपाध्यक्ष डॉ संजीव माथुर की मौजूदगी में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई आगामी कार्य योजना भी तैयार की गई। संस्कार केदो पर किस तरह से कार्यक्रम आयोजित करना है साथ ही आगामी माह में खाली स्थान पर वृक्षारोपण करने पर भी जोर दिया गया ।इस दौरान कपिल चौहान, अवतार सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

मेट्रो एंकर अंततः नपा को जारी करना पड़ा रॉयल केमिस्ट भवन को नोटिस

बिना अनुमति बने भवन पर क्या बुलडोजर चलेगा...?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कुछ माह पहले मीनाक्षी चौक पर अतिक्रमण हटाओ मुहिम के तहत सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ किया गया था। चौड़ीकरण के मार्ग में आने वाली दुकानों को हटाकर पीछे के हिस्से में शिफ्ट किया गया था. लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते मीनाक्षी चौक से आईटीआई की ओर जाने वाले मार्ग पर नाले पर अतिक्रमण करके बनाए गए एक मेडिकल भवन को ना तो हटाया गया और ना ही उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई. अब गत दिवस नगर पालिका परिषद द्वारा रॉयल केमिस्ट के संचालक रमीज अली को नोटिस देकर इस भवन के निर्माण संबंधी कागजात मांगे हैं. साथ ही अतिक्रमण हटाने को भी कहा है।

यह भवन बिना अनुमति के बना हुआ है क्योंकि नगर पालिका लिखित रूप में अवगत करा चुकी है कि इस भवन के निर्माण को हमने अनुमति नहीं दी है. जब नगर पालिका द्वारा इसे एनओसी नहीं दी गई तब इसके पास बैध कागजात कैसे हो सकते हैं. अब सवाल यह है कि क्या नगर पालिका इस भवन पर बुलडोजर चलाएगी ।

यह भवन अवैध रूप से निर्मित है। इस भवन के निर्माण को लेकर नगर पालिका द्वारा कोई भी अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया इस बात का खुलासा तब हुआ जब एक आरटीआई आवेदन के तहत मांगी गई जानकारी में नगर पालिका द्वारा स्पष्ट रूप से जवाब देते हुए लिखा गया कि रॉयल केमिस्ट भवन को निर्माण की अनुमति नहीं दी गई.

जब इस भवन को निर्माण की अनुमति नहीं दी गई तो यह भवन किसकी अनुमति पर बनकर तैयार हो गया और उसमें एक मेडिकल स्टोर का संचालन भी होने लगा. नाले के ऊपर निर्मित इस भवन से शहर में वॉटर ओवरफ्लो होने का खतरा है. क्योंकि जब इस नाले से पानी बरसात का निकलेगा तो वह सड़क पर फैलेगा इससे न सिर्फ राजगीरों को आवा गमन में परेशानी होगी बल्कि आसपास रहने वाले रहवासियों के मकान में भी पानी घुस सकता है।

कई बार नगर पालिका को इस भवन को हटाने के लिए मीडिया द्वारा समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित करने के बावजूद भी नगरपालिका द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया. लेकिन जब मामला सर से ऊपर हो गया तो वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की गई और इस अवैध निर्माण को लेकर नगर पालिका पर साठ गांठ के आरोपी भी लगाए गए।

राजनैतिक संरक्षण के चलते नगर पालिका ने रोकी थी कारवाई...

मीनाक्षी चौक के पास नाले पर अतिक्रमण करके बनाए गए भवन जिसमें मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है यह भवन उस दौरान तोड़ देना चाहिए था जिस दौरान सड़क चौड़ी करने के समय उन दुकानों को हटाया गया था जो अतिक्रमण की परिधि के अंतर्गत थी. सूत्र बताते हैं कि मेडिकल संचालक पर राजनेता मेहरबान थे जिनकी मेहरबानी के चलते नगरीय प्रशासन द्वारा इस मेडिकल स्टोर भवन को नहीं हटाया गया। नगर पालिका ने नोटिस देकर निर्माण से संबंधित कागजात मांगे हैं।

जरा सी बारिश में नपा व्यवस्था की खुली पोल, घर में घुटनों घुटनों तक पानी भरा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के द्वारा समय रहते पानी निकासी की समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाया इस वजह से जरा सी बारिश होने पर लोगों के घरों के अंदर पानी जमा हो रहा है झमाझम बरसात का दौर प्रारंभ होने पर और भी बुरे हालात निर्मित होंगे निचली बस्तियों में तो लोगों की रात बड़ी मुश्किल से गुजरेगी। वहीं वार्ड नंबर 10 में रामकुमार सहेले घर के अंदर थोड़ी सी बारिश होने पर घुटनों घुटनों से ऊपर पानी जमा हो गया था जिसके बाद उन्होंने अपने घर में हल्की सी बारिश होने पर इतना पानी जमा होने का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जबकि पार्षद प्रतिनिधि राजू कुशवाहा ने पहले ही इस समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका सीएमओ और इंजीनियर अवगत कर दिया था फिर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। साथ प्रजापति मोहल्ले में भी पानी निकासी की समस्या निर्मित हो चुकी है। इसके बाद भी इस समस्या को दूर करने के लिए नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया इसी का परिणाम है कि थोड़ी सी बरसात होने पर घर के अंदर पानी भर जाने का वीडियो सामने आने के बाद नगर पालिका परिषद के अमले के साथ नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू भी पहुंचे उन्होंने इस समस्या के समाधान के संबंध में अमले को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि तत्काल पानी निकासी की समस्या जहां भी है वहां पर काम किया सेवा भारती की हुई बैठक, आगामी कार्यक्रमों की बनाई रूपरेखा।

विहिप बजरंग दल नें लगाए जटाशंकर पर 101 पेड़

सिरोंज। आज सिरोंज नगर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सेवा सप्ताह के अंतर्गत जटाशंकर धाम पर 101 पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया उसी कड़ी में 11 पेड़ लगाकर शुभारंभ किया गया इस दौरान संगठन के प्रमुख राकेश सक्सेना अभिषेक शर्मा हरिशंकर झा जगदीश शाक्य अर्जुन शाक्य प्रदीप राठौर विनोद शर्मा अनिल राठौड़ तुलसी नारायण शाक्य रोहित यादव दिनेश साहू गौरव जड़िया कपिल खत्री अशोक साहू आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे

डिंडोली में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सिरोंज। राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा विदिशा जिले की जनपद पंचायत बासौदा के ग्राम डिंडोली में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिविर में पहुंचे सहरीय समुदाय के नागरिकों सहित अन्य ग्रामीण जनों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया है। इस दौरान राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के द्वारा दो सिकल सेल एनीमिया के मरीजों एवं तीन आयुष्मान कार्ड के हितग्राहियों को मंच से कार्ड वितरित किये गये। स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से दो 108 एम्बुलेंस मय चिकित्सा दल के लगाई गई थीं। शिविर में 104 मरीजों का पंजीयन किया गया जिनमें 70 पुरुष एवं 34 महिलाएं शामिल हैं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 33 व्यक्तियों की सिविल सेल एनीमिया की जांच की गई। आठ व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 70 व्यक्तियों की एनसीडी की स्क्रीनिंग की गई जिनमें 15 हाइपरटेंशन, 9 शुगर पेशेंट पाए गए, 9 मरीजों की आंखों की जांच की गई। 6 गर्भवती माताओं की गर्भावस्था की जांच की गई। 55 बच्चों को ओआरएस का वितरण किया गया। सभी का पंजीयन कर स्क्रीनिंग, जांच उपचार एवं दवा वितरित की गई हैं।

राज्यपाल ने सम्पूर्णता अभियान का किया शुभारंभ

बच्चों को स्कूल जरूर भेंजे: राज्यपाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज विदिशा जिले के आकांक्षी विकासखण्ड गंजबासौदा में सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ किया। नीति आयोग द्वारा घोषित आकांक्षी विकासखण्ड गंजबासौदा के ग्राम डिंडौली में आयोजित संपूर्णता अभियान के कार्यक्रम को सम्पूर्ण करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित ना रहें। शिक्षा प्रगति के द्वार खोलती है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अतः हम सबका यह नैतिक दायित्व है कि आने वाली पीढी शिक्षा के महा अभियान से वंचित ना रहें।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में अति पिछडे बैगा, सहरिया सहित अन्य जनजाति वर्ग के विशेष उत्थान हेतु पीएम जनमन अभियान का संचालन किया जा रहा है उन्होंने विदिशा जिले में इस अभियान के प्रति कलेक्टर द्वारा किए जा रहे प्रबंधो पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि शेष बचे हितग्राहियों को आगामी तीस सितम्बर तक शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है और यह कार्य पूर्ण किया जा चुका है के आश्य की रिपोर्ट नियत अवधि उपरांत मुझे अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा जनजागरूकता पर आधारित प्रस्तुतियों की भी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए छोटे-छोटे बच्चो के द्वारा बडो को दिए जाने वाले संदेशो का पालन करने की जो अपेक्षा व्यक्त की है वह तारीफे काबिले है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि बच्चो द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से सिकल सेल जैसी घातक बीमारी से बचाव क्या करें क्या न करें का संदेश इतनी सहज और सरलता से दिया है कि जांच पहले कराएं शादी बाद में। गर्भवती माताओं को समय पर दवाईयों का सेवन करने व जांच कराने के साथ-साथ यदि जोडे में से यदि कोई एक व्यक्ति सिकल सेल से पीडित है तो उनका बच्चा इस रोग से ग्रस्त नहीं होगा कि जानकारी बच्चो द्वारा दी गई है जो हमें नई सीख देती है। उन्होंने टीमवर्क की भावना से कार्यो का संपादन कर समाज के अति पिछडे जनजाति वर्ग के परिवारजनों की उन्नति के लिए प्रधानमंत्री द्वारा संचालित पीएम जनमन अभियान का शत प्रतिशत लाभ इन वर्ग के नागरिकों, बच्चो, महिलाओं को दिलाया जाना है साथ ही साथ बुनियादी अद्योसंरचनाओं से संबंधित निर्माण कार्यो को भी पूरा कराया जाना है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो का कलेक्टर द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने इस अभियान को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जनजागरूकता के अभाव में समाज को कोई भी व्यक्ति छूट ना पाए यह हमारा भी दायित्व है कि हम उन तक पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाएं।

कलेक्टर ने सम्पूर्णता अभियान के उद्धेश्यों को रेखांकित करते हुए आकांक्षी विकासखण्ड के लिए नीति आयोग द्वारा निर्धारित छह संकेतको की पूर्ति के लिए बासौदा विकासखण्ड में किए जा रहे प्रबंधो पर आधारित पालन प्रतिवेदन का वाचन किया। उन्होंने बताया कि नीति आयोग के पैरामीटरो के लाभ से संबंधित वंचित ना रहे के लिए जिले में चौतरफा प्रबंध किए गए है। सर्वे उपरांत हितग्राही को कौन-कौन सी योजना का लाभ प्राप्त होना है का आंकलन कर हितलाभ से लाभांवित किया जा रहा है। सर्वे अवधि में वंचित ग्रामो के नाम पुनः जोड़ने का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम के 62 परिवारो के 276 सदस्यों को लाभ दिलाया जाना है। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। इसके अलावा अन्य तमाम सुविधाओं का लाभ ग्राम में ही मिले के लिए विशेष शिविरो के माध्यम से शत प्रतिशत लाभ दिलाया जा रहा है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल सहित अन्य अतिथियों के द्वारा पीएम जनमन योजना के तहत लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण मौके पर प्रतीक स्वरूप किया गया है। ग्राम डिंडोली की एकीकृत शाला शासकीय माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य नाटिका सहित अन्य विधाओं के माध्यम से योजनाओं के प्रचार-प्रसार व हितलाभ प्राप्ति पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई।इस अवसर पर शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, विदिशा विधायक मुकेश टण्डन, बासौदा जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू देवेन्द्र रघुवंशी, बासौदा नपा अध्यक्ष श्रीमती शशि यादव, डॉ राकेश जादौन, सरपंच कारेलाल अहिरवार समेत अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, नीति आयोग द्वारा भारत सरकार की सेकेटरी सुश्री नेहा नोटियाल के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन मौजूद रहें।

आकांक्षी ब्लाक में मानव सुविधाओं के सभी पैरामीटर में कार्य किए जा रहे है: कलेक्टर

स्कूली विद्यार्थियों से संवाद

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने डिंडोली में आयोजित मंच कार्यक्रम सम्पन्न होने के उपरांत ग्राम की आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन कर आंगनबाडी के बच्चो से संवाद भी किया। इस दौरान राज्यपाल श्री पटेल ने सभी बच्चो से कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में खूब मन लगाकर पढाई करें और अपने माता-पिता व गांव का नाम रोशन करें। राज्यपाल श्री पटेल ने आंगनबाड़ी परिसर में आंवले का पौधा भी लगाया।

हितग्राही के घर भोजन -

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने ग्राम डिंडोली में निवास करने वाले पीएम जनमन आवास योजना से लाभांवित हितग्राही अर्जुन सिंह के घर पहुंचकर उनके नवीन आवास का फीता काटकर घर में प्रवेश किया। इसके उपरांत राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के साथ-साथ बासौदा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि यादव, कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, नीति आयोग द्वारा भारत सरकार की सेकेटरी सुश्री नेहा नोटियाल, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने हितग्राही अर्जुन सिंह के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। इसके पहले राज्यपाल श्री पटेल ने हितग्राही के नवीन आवास के बाहर परिसर में एक पेड अपनी मां के नाम अभियान के तहत जामुन का पौधा लगाकर अधिक से अधिक पौधे लगाने के संदेशो का प्रसारण किया।

रथ को हरी झंडी -

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने डिंडोली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रव्यापी सम्पूर्णता अभियान के शुभारंभ अवसर पर सम्पूर्णता अभियान के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। आगामी लगभग तीन माह तक जारी रहने वाले इस अभियान अवधि में उक्त प्रचार रथ विदिशा जिले के सभी विकासखण्डों में भ्रमण करेगा।

मेट्रो एंकर विधानसभा के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर मनी डॉ.मुखर्जी की जयंती

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक और कश्मीर आंदोलन के प्रणेता डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती नगर मतदान केंद्रों पर प्रेरणा पूर्वक पर मनाई गई। सिरोंज विधानसभा के चितावर,देवपुर एवं नगर मंडल के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर डॉ मुखर्जी का स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संगठन ने इस अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ मुखर्जी के व्यक्तित्व के साथ जनसंघ,भाजपा की स्थापना एवं देश की एकता अखंडता के लिए उनके द्वारा दिए योगदान पर कार्यकर्ताओं से चर्चा के लिए भाजपा नेताओं को वक्ता के तौर ओर भेजा गया था। इन वक्ताओं ने कार्यक्रम में डॉ मुखर्जी के चित्र ओर माल्यार्पण अर्पित करते हुए उनके जीवन वृत और देश के अभिन्न हिस्से कश्मीर को भारत मे पूर्ण रूप से विलय को लेकर किए गए संघर्षपूर्ण आंदोलन और इसी दौरान संदेहास्पद रूप हुई उनकी मृत्यु के विषय को लेकर विचार व्यक्त किए। मतदान केंद्र क्रमांक 199 पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा संगठन के महामंत्री सुमंत मित्तल ने कहा कि एक देश मे दो विधान दो प्रधान दो निशान नही चलेंगे का नारा देकर भारत देश के अभिन्न अंग कश्मीर के विलय को लेकर आंदोलन खड़ा कर अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले डॉ मुखर्जी की जयंती आज हम प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हैं। डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के द्वारा कश्मीर के भारत मे विलय को लेकर जो आंदोलन खड़ा किया किया गया उसे देश मे पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है। देश की एकता के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले डॉ मुखर्जी की बदौलत ही आज जम्मू कश्मीर में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चौरे ने कहा कि एक जमाना था जब कश्मीर को छोड़कर पूरे देश मे एक सा कानून लागू होता था लेकिन कश्मीर में अलग झंडा ओर कानून चलते थे। सदियों से कश्मीर भारत का अभिन्न अंग रहा है ओर रहेगा लेकिन कांग्रेस की सत्ता हथियाने की नीति ने फूलों की घाटी में आतंकवाद को फैला दिया। डॉ मुखर्जी द्वारा प्रारंभ किए गए आंदोलन का परिणाम ही है कि देश मे पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार आने के बाद बिना किसी दंगे फसाद के धारा 370 भी हटी और पूर्ण राज्य का दर्जा भी मिला। कार्यक्रम में विगत दिनों लोकसभा में विपक्ष के कांग्रेसी नेता राहुल गांधी द्वारा देश की हिन्दू समाज को हिंसक कहे जाने की भी भर्त्सना की गई। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंडलों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष पारस तारण, झारसिंह दांगी,चरण सिंह राजपूत, विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा,रमेश यादव, हरिबाबू भार्गव, महामंत्री सुमन्त मित्तल,हरिचरण अहिरवार, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र बघेल,जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव,हमीर सिंह यादव,रूपेश यादव,सचिन शर्मा,अशोक रावल,नरेंद्र पाटीदार,राकेश पालीवाल,भुपेश शर्मा आदि के साथ भाजपा के पदाधिकारीगण एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारिश के मौसम में लोग सबसे ज्यादा बीमार पड़ते हैं. इस मौसम में वायरल इंफेक्शन का डर सबसे ज्यादा होता है. बारिश की वजह से मौसम बदलने के कारण पानी, मच्छर और पानी के जमे रहने के कारण मच्छर और उससे होने वाली बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है. आज हम इस आर्टिकल में विस्तार से बात करेंगे कि गंदे पानी के कारण किन बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है.

मानसून में गंदा पानी पीकर बीमार हो सकते हैं आप, सावधान रहना जरूरी

गंदे पानी के कारण इन बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता है: बरसात में बच्चों की इम्युनिटी काफी ज्यादा कमजोर हो जाती है. अगर आप खाने-पीने में जरा सी भी लापरवाही करेंगे तो आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है. बारिश के मौसम में कई सारी इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है. इस मौसम में गंदे पानी,मच्छक और पॉल्यूशन के कारण बाकी मौसम के मुकाबले इस मौसम में बीमारी काफी तेजी से बढ़ती है. इस मौसम में एयर बोर्न, मॉस्किटो बोर्न, वाटर बोर्न डिजीज पैदा होती हैं. सिर्फ इतना ही नहीं इस मौसम में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारी मच्छरों के काटने से तेजी से बढ़ती है. वहीं गंदी हवा और पानी के कारण डायरिया, पीलिया और टाइफाइड का खतरा भी बढ़ता है. सिर्फ इतना ही सर्दी-जुकाम और फ्लू और वायरल फिवर भी तेजी से बढ़ती है.

इस तरह करें बचाव: कभी भी कहीं लगे नल से पानी नहीं पीना चाहिए. इससे गंदा पानी पीने का रिस्क रहता है. हाथों की साफ-सफाई जरूरी होती है. चूंकि इसी से हम खाना खाते हैं, इसलिए खाने से पहले अच्छी तरह हाथ धोएं. खुले ठेले वालों से सब्जियां खरीदने के बाद उसे अच्छी तरह से धोकर ही पकाएं.फ़ल-सब्जियों को खाने से पहले धोने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है. जहां आप रहते हैं, वहां आस-पास स्वच्छ और हरा-भरा रखने की कोशिश करें. गंदा पानी जमा न होने दें. क्योंकि गंदे पानी में मच्छर पैदा होते हैं और बीमारियां फैल सकती हैं. बारिश के मौसम में कीड़े काटने का डर रहता है, इसलिए शरीर को पूरी तरह ढक कर ही रखें. मलेरिया और डेंगू से बचने के लिए मॉस्किटो रिपेलेंट का यूज करें. जहां जलभराव हो, वहां से दूर करने की कोशिश करें, क्योंकि इससे हेल्थ को खतरा हो सकता है.

फुटबॉल कोपा अमरीका: निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर रहा

इक्वाडोर को शूटआउट में हराकर अर्जेंटीना अंतिम-4 में

हस्टन, अमरीका. एजेंसी

गोलकीपर एमी मार्टिनेज के शानदार प्रदर्शन के बलबूते फीफा विश्व कप विजेता अर्जेंटीना ने गुरुवार की रात को पेनल्टी शूट आउट में इक्वाडोर को 4-2 से शिकस्त देकर लगातार पांचवीं बार कोपा अमरीका कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने निराश किया और वह पेनल्टी शूटआउट में गोल करने से चूक गए। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने पर मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया। कोपा अमरीका में इस बार नए नियम के मुताबकि, एक्स्ट्रा टाइम ना देकर सीधे

पेनल्टी के जरिए फैसला किया गया। अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज जीत के हीरो रहे क्योंकि उन्होंने विरोधी टीम के एंजेल मेना और एलन मिंडा के शुरुआती दो गोल के प्रयास को विफल कर दिया।

प्रियांशु की सेमीफाइनल में एंटोनसेन से होगी भिड़ंत

बैडमिंटन : कनाडा ओपन में जापानी खिलाड़ी को हराया

कैलगरी, कनाडा. भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत का शानदार सफर गुरुवार की रात को भी जारी रहा। विश्व नंबर-39 राजावत ने पुरुष एकल में 33वीं नंबर पर काबिज जापान के ताकुमा ओबैयाशी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-11 से शिकस्त दी और अंतिम-8 में प्रवेश किया। अब क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु के सामने शीर्ष वरीय डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन होंगे।

त्रिषा-गायत्री अंतिम-8 में- महिला युगल में त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने नतास्जा और एलिस की डेनिस-डच जोड़ी को 17-21, 21-7, 21-8 से शिकस्त दी।

विम्बलडन टेनिस

रूसुवुओरी ने सितसिपास को दी शिकस्त

लंदन. एजेंसी

ग्यारहवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को विम्बलडन के पुरुष एकल मुकाबले में उलटफेर का शिकार होना पड़ा। एटीपी रैंकिंग में 87वें नंबर पर काबिज फिनलैंड के एमिल रूसुवुओरी ने दूसरे दौर में 11वें नंबर पर काबिज सितसिपास को 7-6, 7-6, 3-6, 6-3 से करारी शिकस्त दी।

पहला मैच जिम्बाब्वे से हारी वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया

टी-20 आज: पहले मैच की हार का बदला लेना चाहेगी इंडिया

नईदिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया और जिम्बाब्वे के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मैच आज खेला जाएगा। पिछले हफ्ते टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया पहले मुकाबले में 13 रन से हार गई। टीम सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही है।

भारतीय टीम रविवार को होने वाले इस मुकाबले से सीरीज में वापसी करना चाहेगी। पहले मैच में इंडिया की तरफ से रियान पराग, अभिषेक शर्मा और ध्रुव जुरेल ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया, लेकिन खास प्रदर्शन नहीं कर सके। तीनों ने मिलकर 8 रन बनाए। दोनों टीमें टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 9 बार भिड़ चुकी हैं। जहां भारत ने 6 मैच जीते हैं, वहीं जिम्बाब्वे के हिस्से में 3 जीत आई हैं।

जिम्बाब्वे में भारत का रिकॉर्ड बेहतरीन है। टीम इंडिया वहां अभी तक कोई भी टी20 सीरीज नहीं हारी है। 2015 में दोनों टीमों के बीच खेली गई दो मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। जबकि 2010 में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में 2 मैचों सीरीज में मेजबानों को 2-0 से हराया था। दोनों टीम के बीच आखिरी टी-20 सीरीज 2016 में खेली गई थी। उस समय भारतीय टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। सीरीज के पहले मैच में भारत को हार मिली थी। लेकिन उसके बाद टीम इंडिया ने वापसी करते हुए आखिरी के दोनों मैच जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। जिम्बाब्वे की कप्तानी 38 साल के ऑलराउंडर सिकंदर रजा करेंगे। कल ही जिम्बाब्वे ने भारत को 13 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया है।

टॉस का रोल और पिच रिपोर्ट

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में अब तक 42 टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए हैं। जिसमें अब तक 23 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। लेकिन यहां के 23 मैच में किसी भी टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया है। यहां टॉस जीतने के बाद मैच जीतने के चांस 53.7त्न है। हरारे की पिच दोनों बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए फायदेमंद हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर सकती हैं।

पहले 2 टी-20 के लिए 3 नए खिलाड़ी शामिल

इस दौरे में सिर्फ 3 भारतीय खिलाड़ी ऐसे हैं, जो टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का हिस्सा थे। ये तीनों खिलाड़ी सीरीज के शुरुआती 2 मैच नहीं खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन और शिवम दुबे बेरिल तूफान की वजह से बारबाडोस में फंस गए थे, वे लौटे हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2 टी-20 के लिए 3 नए प्लेयर्स को रिप्लेसमेंट के तौर पर भेजा है। ओपनर साई सुदर्शन, विकेटकीपर जितेश शर्मा और पेसर हर्षित राणा को रिप्लेसमेंट के लिए चुना गया है।

डेब्यू कर रहे तीनों खिलाड़ी 10 रन भी नहीं बना सके

116 रन का टारगेट... और रन चेज में वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया 102 पर ऑलआउट, वो भी जिम्बाब्वे जैसी टीम के खिलाफ। ये बात हैरान करने वाली है, लेकिन भारत-जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में यही हुआ। डेब्यू कर रहे तीनों खिलाड़ी 10 रन भी नहीं बना सके हैं। पिछले हफ्ते टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया 13 रन से हार गई।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कोरियोग्राफर ने खुद किया खुलासा

'कमली...' में कैटरीना कैफ की बॉडी डबल हैं शक्ति मोहन!

शक्ति मोहन का कुछ समय पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर कहा जा रहा था कि उन्होंने धूम 3 के कमली गाने कैटरीना कैफ की जगह स्टंट किए थे। वह इसमें अभिनेत्री की बॉडी डबल हैं। इसे लेकर अब शक्ति ने बात की है। मशहूर डांसर और कोरियोग्राफर शक्ति मोहन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसमें वह फिल्म धूम 3 के कैटरीना कैफ के कमली गाने पर स्टंट करती हुई दिखाई दे रही थीं। कैटरीना कैफ ने इसमें स्टंट किए थे। शक्ति का ये वीडियो देखकर लोगों का कहना था कि शक्ति मोहन इस गाने में कैटरीना की बॉडी डबल हैं। उन्होंने ही गाने में कैटरीना की जगह सभी मुश्किल स्टंट किए हैं। अब शक्ति मोहन ने इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है। वह सेट पर कोरियोग्राफर की सहायक थीं और वह खुद प्लिप नहीं कर सकतीं।

शक्ति ने नहीं किया कमली में बॉडी डबल: शक्ति मोहन ने एक बातचीत में इस वीडियो पर बात करते हुए कहा, हां मुझे पता है। ये रील मुझे बहुत लोगों ने भेजी है कि आप बॉडी डबल हो। मैंने सोचा, जरा सोचो कि मैं बॉडी डबल कैसे बनूंगी? मेरी स्किन का रंग देखो। उनका स्किन टोन देखो, उनकी हाइट देखो। मैं वैभवी को असिस्ट कर रही थी और लोग देख सकते हैं कि मैं मैम के साथ खड़ी हूं और वह डांस कर रही हैं। उन्होंने कहा, मेरी एक पेरिस की दोस्त एमिली इसमें बॉडी डबल हैं। हालांकि, कई रूटीन बहुत चुनौतीपूर्ण थे। कैटरीना जोर दे रही थीं कि मैं यह करूंगी। वह पागलपन की हद तक काम कर रही थीं। उनके शरीर पर चोटे भी थीं। उन्होंने कहा, फ्लिपिंग जैसी चीजें होती हैं और ऐसी चीजें जो कोई नहीं कर सकता। महीनों-महीनों की मेहनत के बाद भी आप ऐसा नहीं कर पाते, ये वो चीजें हैं, जो एमिली ने कीं। मगर मुझे नहीं पता कि यह कहानी कहां से आई कि मैं बॉडी डबल हूं। कैसे? मैं फ्लिप नहीं कर सकती।

सलमान को पसंद आया विक्की का डांस सोशल मीडिया पर वीडियो किया शेयर

विक्की कौशल की अपकमिंग फिल्म 'बैड न्यूज' से उनका एक डांस मूव्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। कई सेलेब्स ने उनकी डांस मूव्स की तारीफ की। अब सलमान खान ने भी विक्की का डांस वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सलमान ने उनके डांस मूव्स की तारीफ भी की है। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर वीडियो सॉन्ग 'तौबा तौबा' शेयर कर कैप्शन में लिखा- शानदार मूव्स विक्की, गाना बहुत अच्छा लग रहा है। बेस्ट विशेज। सलमान खान से तारीफ पाकर विक्की कौशल को बेहद खुशी हुई। उन्होंने भी सलमान का शुक्रिया अदा किया। विक्की ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए लिखा- सो स्वीट ऑफ यू सलमान सर। थैंक्यू सो मच। मेरे और मेरी टीम के लिए आपके शब्द बहुत मायने रखते हैं।

ऋतिक रोशन ने भी की थी विक्की कौशल की तारीफ

ऋतिक रोशन ने भी विक्की कौशल के डांस की तारीफ की थी। उन्हें विक्की का डांस मूव्स बेहद पसंद आया। उन्होंने लिखा- वेल डन मैन...स्टाइल पसंद आया। विक्की कौशल ने ऋतिक के उस कमेंट का स्क्रीनशॉट लेते हुए उसे अपनी इंस्टा स्टोरी में शेयर किया। इस पर विक्की ने कैप्शन लिखा- जीवन सफल हो गया। फिल्म बैड न्यूज 19 जुलाई को रिलीज होगी। इसका डायरेक्शन आनंद तिवारी ने किया है। फिल्म बैड न्यूज को तरुम डुडेजा और इशिता मोइत्रा ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के वेंचर की है। इस फिल्म को फिल्म गुड न्यूज के मेकर्स ने ही बनाया है जिसमें अक्षय कुमार, करीना कपूर, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ नजर आए थे। पिछली फिल्म की तरह ही इस फिल्म में भी फन और इमोशनल जर्नी का जबरदस्त डोज देखने को मिलेगा।

'एनिमल' के बाद मिलने लगे अच्छे प्रोजेक्ट्स

तृप्ति बोलीं- ऑडिशन के बाद हुआ 'बैड न्यूज' में सिलेक्शन

तृप्ति डिमरी को फिल्म 'एनिमल' से पहचान मिली थी। अब वे अपनी अगली फिल्म 'बैड न्यूज' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क भी लीड रोल में दिखाई देंगे। ये फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होने वाली है। तृप्ति बोलीं- ऑडिशन के बाद हुआ 'बैड न्यूज' में सिलेक्शन, लंबे समय बाद की कॉमेडी जॉनर की फिल्मतृप्ति डिमरी को फिल्म 'एनिमल' से पहचान मिली थी। अब वे अपनी अगली फिल्म 'बैड न्यूज' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क भी लीड रोल में दिखाई देंगे। ये फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होने वाली है। करण जौहर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। अपनी फिल्म को लेकर तृप्ति ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। दरअसल उन दिनों मैंने धर्मा प्रोडक्शन की टैलेंट एजेंसी को जॉइन ही किया था। 'एनिमल' के बाद एक ग्रोथ भी हुई है। अच्छी बात है कि लोग अब मुझे अलग-अलग जॉनर की फिल्में भी ऑफर कर रहें हैं, वरना स्टीरियोटाइप वाले भी आसार बन गए थे हर किसी के मामले में एक ही फॉर्मूला तो नहीं चलेगा। खुद पर भरोसा रखिए। अगर लो फेज है, तो उसमें धैर्य रखिए। वह दौर गुजर जाएगा। वरना आज की तारीख में सही एक्टर्स के लिए बहुत काम है। खासकर ओटीटी के चलते सही और नए एक्टर्स के लिए काम की कमी नहीं। 'लापता लेडीज' जैसी मिसालें देखिए। ऑडिशन सही लगने पर सभी कलाकारों के साथ काफी वर्कशॉप हुई। कभी विक्की कौशल के साथ तो कभी एमी विर्क के साथ। रोज हमें कुछ टास्क दी जाती थीं। उससे हमारी हाजिरजवाबी की परीक्षा ली जाती थी ताकि हमारे कॉमिक सेंस का पता चले। दरअसल बहुत साल पहले मैं यू-ट्यूब पर कॉमेडी वाले वीडियोज बनाती भी थी पर फिल्मों में कदम रखने पर वह छूट गया था। इस फिल्म के जरिए फिर से कॉमेडी करने का मौका मिला है। हर किसी के मामले में एक ही फॉर्मूला तो नहीं चलेगा। खुद पर भरोसा रखिए। अगर लो फेज है, तो उसमें धैर्य रखिए। वह दौर गुजर जाएगा। वरना आज की तारीख में सही एक्टर्स के लिए बहुत काम है। खासकर ओटीटी के चलते सही और नए एक्टर्स के लिए काम की कमी नहीं।

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ 20 साल पहले हुआ था इमरान हाशमी का झगड़ा

इमरान ने दी सफाई, बोले- तब हम मूर्ख थे

वक्त के साथ इमरान हाशमी और मल्लिका के बीच गिले-शिकवे अब दूर हो चुके हैं। हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में दोनो को गले मिलते देखा गया था और अब इमरान ने आखिरकार उनके बीच के उस चर्चित झगड़े पर खुलकर बात की। अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री मल्लिका शेरावत फिल्म मर्डर में साथ नजर आए थे। 2004 में आई इस फिल्म में दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली थी। लेकिन, हैरानी की बात ये भी है कि इसी फिल्म के दौरान दोनों के बीच भयंकर झगड़ा भी हो गया था। बात इतनी बिगड़ चुकी थी कि उस फिल्म के बाद दोनों फिर किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए। दो दशक बाद इमरान हाशमी ने उस तकरार पर अब जाकर चुप्पी तोड़ी है।

कई बार हो चुकी है मुलाकात: वक्त के साथ दोनों सितारों के बीच गिले-शिकवे अब दूर हो चुके हैं। इमरान ने मल्लिका से मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा, यह बहुत गर्मजोशी भरा और कॉर्डियल था। मैंने उसे बहुत समय बाद देखा। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय में हमारा ऐसा कोई एनकाउंटर हुआ था। मर्डर की रिलीज के बाद मैंने उससे कई बार मुलाकात की। अभिनेत्री के साथ तकरार पर इमरान ने आगे कहा, उस वक्त हम युवा थे और बेवकूफ थे। आप अपनी जिंदगी में एक ऐसे दौर से गुजरते हैं, जब आपकी फैसला लेने की शक्ति इतनी सीमित हो जाती है। आप बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं। कुछ छोटी बातें उसने कहीं और कुछ मैंने भी, लेकिन वह सभी बातें अब बीत चुकी हैं।

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित टैगोर वार्ड की घटना

बड़ी बहन के घर नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित टैगोर वार्ड में पंद्रह साल के नाबालिग ने अपनी बहन के घर फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजन से भी ऐसी कोई जानकारी मिली, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सोनू कुमार पिता पप्पू उर्फ विश्वनाथ कुमार (16) मूलतः जिला जालौन, उत्तर प्रदेश का था। वह पिछले कुछ साल से टैगोर वार्ड गांधी नगर में रहने वाली अपनी बड़ी बहन के पास रह रहा था। सोनू के बहनोई लक्ष्मीकांत फुल्की का ठेला लगाते हैं। सोनू उनके ठेले पर मदद किया करता था। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे बहन सब्जी खरीदने के लिए मार्केट गई थी, जबकि बहनोई अपने ठेले पर था। घर पर सोनू कुमार और उसकी पांच साल की भांजी थी। कुछ समय बाद सोनू ने भांजी को कमरे के बाहर भेजकर फांसी लगा ली। सब्जी लेकर बहन घर लौटी तो सोनू फंदे पर लटका देखा था। बहन की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और उसे फंदे से नीचे उतार लिया था।

करंट से झुलसकर युवक की मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद में निर्माणाधीन मकान में काम करते समय एक मदजूर करंट से झुलस गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार अनुसार श्यामला हिल्स में रहने वाला असलम खान (37) सेटिंग बिछाने का काम करता था. बीती एक जुलाई को वह निशातपुरा के करोंद स्थित एक निमार्णाधीन मकान पर सेटिंग लगा रहा था, तभी लोहे ही राड हाईटेंशन लाइन से टच हो गई। इससे असलम को करंट लग गया था। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां शुक्रवार को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोहेफिजा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी। घटनास्थल निशातपुरा होने के कारण मर्ग डायरी निशातपुरा थाने भेजी गई है।

अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित कोटरा सुल्तानाबाद में एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि नशे का आदी था। नशे की लत के कारण उसका परिजन से अक्सर विवाद होता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार दिनेश मालवीय (50) शासकीय आवास कोटरा सुल्तानाबाद में रहता था और एक कपड़े प्रेस करने का काम करता था। उसे नशे की लत थी, जिसके कारण आए दिन घर में विवाद होता रहता था। रोजाना की कलह के कारण वह घर में एक अलग कमरे में रहता था। रात को देरी से आने के बाद वह उसी कमरे में सो जाया करता था। शुक्रवार की रात भी वह नशे की हालत में घर पहुंचा था। शनिवार सुबह पत्नी बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थी। वह पति को उठाने के लिए उसके कमरे में पहुंची तो दिनेश फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

बाइक चालक को टक्कर मारकर भागा कार चालक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड, खानूगांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक चालक को टक्कर मार दी और भाग निकला। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना के समय वहां से निकल रहे एक जिप्सी चालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबक सैयद मिनहाज उद्दीन इमामी गेट पर रहते हैं और कर सलाहकार हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे वह अपनी जिप्सी से शहीद नगर कोहेफिजा से लालघाटी की तरफ जा रहे थे। उनके पीछेएक युवक बाइक से चल रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दी और भाग निकला। सैयद मिनहाज ने जिप्सी से कार का पीछा किया और फोटो खींच कर वापस घटनास्थल पहुंचे। यहां पता चला कि घायल युवक का नाम नितिन तेलवानी निवासी बैरागढ़ है। उसे एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. बाद में मिनहाज ने युवक के दोस्तों के साथ थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज करवाया।

जमीन की नपती में देरी होने पर पटवारी को धमकाया, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र में तहसील कार्यालय में घुसकर किसान द्वारा पटवारी को धमकाने का मामला सामने आया है। घटना मई महीने की है। पटवारी ने घटना की शिकायत कलेक्टर भोपाल को की थी। कलेक्टर के आदेश के बाद बैरसिया पुलिस ने किसान के खिलाफ शासकीय कर्मचारी को धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 51 साल के संजीव कुमार बर्राई गांव के पटवारी हैं। लालाराम जाटव द्वारा उन्हें 31 मई को धमकी दी गई थी। लालाराम जाटव अपने जमीन की नपती कराना चाहते थे और इस देरी होने के कारण वह तहसील कार्यालय पहुंचे और पटवारी संजीव कुमार से गालीगलौज करते हुए धमकी दे दी। संजीव कुमार ने घटना की शिकायत कलेक्टर भोपाल से की थी। कलेक्टर भोपाल को दिए आवेदन में पटवारी ने लालाराम द्वारा दी गई गालियों का भी उल्लेख किया है। लिहाजा कलेक्टर ने बैरसिया पुलिस को शिकायत करने के आदेश दे दिए।

आठवीं की छात्रा के साथ युवक की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ इलाके में कचरा फेंकने निकली आठवीं की छात्रा के साथ मोहल्ले में रहने वाले युवक ने अश्लील हरकत कर दी। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली सोलह वर्षीय किशोरी आठवीं में पड़ती है। शुक्रवार की रात करीब सवा 11 बजे वह मां के साथ कचरा फेंकने के लिए निकली थी। मां घर के बाहर खड़ी थी और बेटी को कचरा फेंकने के लिए भेज दिया। लड़की कचरा फेंकने पहुंची, तभी मोहल्ले में रहने वाले अंकित नामक युवक ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और अपने घर की तरफ खींचने लगा। किशोरी के शोर मचाने पर माता-पिता पहुंचे तो बेटी ने उन्हें अंकित की हरकत के बारे में बताया। शनिवार को परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे वहां नाबालिग ने अंकित के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करवाया।

अज्ञात बाइक की टक्कर से युवक गंभीर, चल रहा इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दूसरी बाइक पर बैठे एक युवक को गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर टक्कर मारने वाले बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ललितपुर उत्तर प्रदेश निवासी विनय रैकवार (22) मजदूरी करता है और नाथू बरखेड़ा स्थित निमार्णाधीन स्टेडियम में रहता है। गुरुवार रात वह अपने भाई फूलचंद और मौसा ब्रजेश के साथ सामान लेकर नीलबड़ से लौट रहा था। बाइक उसके मौसा ब्रजेश चला रहे थे। रात करीब पौने 8 बजे ब्रजेश ने स्टेडियम जाने के लिए अपनी बाइक शूटिंग अकादमी की तरफ मोड़ी, वैसे ही नाथू बरखेड़ा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर पड़े। वे लोग उठ पाते, उसके पहले ही टक्कर मारने वाला बाइक सवार वहां से भाग निकला। इस हादसे में सबसे पीछे बैठे फूलचंद को गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए नीलबड़ स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पेट्रोल पंप मैनेजर ने लगाई मालिक को 19 लाख रुपए की चपत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परवलिया सड़क रोड स्थित कुराना गांव में पेट्रोल पंप संचालक को मैनेजर ने 19 लाख रुपए का चूना लगा दिया। पुलिस ने पंप मालिक की शिकायत पर मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी मैनेजर की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि बाज खां पिपलिया, भानपुर निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखन सिंह मीणा का गांव कुराना एयरपोर्ट रोड पर पेट्रोल पंप है। उन्होंने अपने पंप पर प्रकाश भाटी को मैनेजर बनाया था। मैनेजर प्रकाश भाटी पंप में आने वाले प्रतिदिन का कलेक्शन बैंक में जमा कराता था। वर्ष 2021 से उन्होंने पंप पर आने वाले कलेक्शन का कुछ हिस्सा लखन सिंह के खाते में जमा किया और कुछ हिस्सा अपने और रिश्तेदारों के खाते जमा करने लगा। लगातार पंप में मुनाफा कम होने के कारण पंप मालिक ने ऑडिट कराया तो पता चला कि प्रकाश भाटी अक्टूबर 2021 से 31 मई 2024 के बीच कुल 19 लाख रुपए का गबन किया है। इसके बाद उन्होंने प्रकाश भाटी से अपने रुपए मांगे तो वह आजकल में देने का कहने लगा। इसी बीच मौका मिलते ही आरोपी भाग निकला। आरोपी के खिलाफ लखन सिंह मीणा ने शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

म्यूजिकल नाइट

भोपाल। राजधानी के रविंद्र भवन में प्रेरणा शाला म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया गया।

पटाखा मार्केट से ठेकेदार का कंटेनर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा स्थित पटाखा मार्केट से एक कंटेनर चोरी हो गया। पुलिस ने ठेकेदार की शिकायत अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। चोरी गए कंटेनर में पाइप लाइन बिछाने के काम आने वाले उपकरण लदे हुए थे। पुलिस के अनुसार स्वतंत्र बाबू गुप्ता (52) मिनाल रेसीडेंसी अयोध्या नगर में रहते हैं और ठेकेदारी करते हैं। उन्हें थिंक गैस की पाइप लाइन बिछाने का काम मिला है। मई के महीने में उन्होंने अपना एक कंटेनर गोविंदपुरा पटाखा मार्केट स्थित मैदान पर खड़ा किया था। यह कंटेनर उनके भाई के नाम पर रजिस्टर्ड है। कंटेनर में पाइप लाइन बिछाने के काम आने वाले उपकरण रखे हुए थे। करीब एक महीने बाद देखा तो उक्त कंटेनर वहां नहीं था। स्वतंत्र बाबू पहले अपने स्तर पर कंटनेर की तलाश कर रहते रहे, लेकिन जब उसका कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने जुआ खेलते तीन को पकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ पुलिस ने जुए की एक फड़ पर छापा मारकर तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7900 रुपए और दो मोटर सायकिलें जब्त की गईं। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि पटेल कालेज के पास कुछ लोग ताश पत्तों पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो तीन युवक जुआ खेलते हुए मिले। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें दबोच लिया। पूछताछ करने पर जुआरियों ने अपने नाम भोलाराम राणा, पप्पू सिसौदिया और श्याम परिहार बताया। तलाशी लेने पर तीनों के पास सात हजार नौ सौ रुपये नकद, ताश पत्ते और दो मोटर सायकिलें जब्त की हैं।

मेट्रो एंकर गुरुवार को शुक्रवार के बाद शनिवार को तीसरी नाबालिग मिली

बालिका गृह से फरार तीन नाबालिग मिली, चौथी बालिका की तलाश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कमला नगर स्थित बालिका गृह से खिड़की तोड़कर फरार हुई तीन नाबालिगों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। एक नाबालिग को गुरुवार को जबकि उससे पूछताछ के बाद दूसरी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इसी प्रकार तीसरी नाबालिग को भी शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बरामद कर लिया गया। दो नाबालिग भोपाल और एक को राजस्थान से बरामद किया गया है। सबसे छोटी बच्ची एक परिवार के पास थी, जबकि दो अन्य नाबालिग अपने दोस्त के साथ घूमती मिली। चौथी नाबालिग के बारे में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और उसे भी जल्द बरामद कर लिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार नेहरू नगर स्थित बालिका गृह से सोमवार तड़के चार नाबालिग खिड़की की जाली तोड़कर भाग निकली थी। भागने वाली चारों लड़कियों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच थी। सुबह करीब 7 बजे प्रार्थना के समय जब बच्चियों की गिनती की गई तो चार नाबालिग कम मिली थी। बालिका गृह प्रबंधन ने अपने स्तर पर उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा तो कमला नगर पुलिस को सूचना दी गई थी। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण कमला नगर पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज किया।

निशातपुरा में मिली थी लोकेशन: मामले की गंभीरता को देखते हुए बालिकाओं की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई थी। 5 दिनों की मशक्कत के बाद 3 पकड़ाई लगातार पांच दिनों की मशक्कत के बाद पुलिस ने तीन नाबालिग को पकड़ने में सफलता हासिल मिल गई। सबसे छोटी 15 साल की बालिका को निशातपुरा में रहने वाले एक परिवार के पास से दस्तयाब किया गया है। पूछताछ में पता चला कि नाबालिग के साथ भागने वाली दूसरी नाबालिग ने उसे अपने रिश्तेदार के घर का पता दिया था। यह नाबालिग रिश्तेदार के यहां पहुंची तो उन्होंने मदद के लिए उसे अपने घर पर रख लिया। उस समय उन्हें यह नहीं पता था कि यह बालिका भागकर आई है। सोलह साल की दूसरी नाबालिग को भोपाल रेलवे स्टेशन से बरामद किया गया। वह दिनभर शहर में अपने दोस्त के साथ घूमती रही और रात में स्टेशन पर जाकर सो जाती थी। इसी प्रकार सोलह वर्षीय तीसरी नाबालिग उदयपुर राजस्थान में मिली। वह भी अपने दोस्त के साथ घूमती मिली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022